श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 227

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, शनिवार 4 जून 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

एनएमएमएस परीक्षा में जिले के 542 विद्यार्थियों ने मारी बाजी

दुर्ग। राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (एनएमएमएस परीक्षा) में इस बार दुर्ग के छात्रों ने एक लंबी छलांग मारी है और गत वर्ष की तुलना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जिले के 542 विद्यार्थी चयनित हुए हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 321 अधिक है। चयनित विद्यार्थियों में विकासखण्ड धमधा से 219, विकासखण्ड दुर्ग से 207 एवं विकासखण्ड पाटन से 116 विद्यार्थी सम्मिलित है। जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय से कुल 65 विद्यार्थी चयनित हुये है। राज्य में दुर्ग जिले से श्री दीपक कुमार साहू, श्री कुणाल कुमार चन्द्राकर, कु. लोरीमा साहू ने क्रमशः मेरिट सूची के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान में अपना वर्चस्व स्थापित किया है।

पट्टा सर्वे को लेकर कलेक्टर ने की समीक्षा

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे द्वारा नगर पालिका परिषद अहिवारा और जामुल का दौरा किया गया। जहां उनके द्वारा पट्टे के सर्वे के कार्य की समीक्षा की गई। उन्होंने अहिवारा के सभी 15 वार्डों और जामुल क्षेत्र अंतर्गत नवीन पटटे के लिए 20 वार्डों से प्राप्त कुल 1168 आवेदन के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने अपात्र हितग्राहियों का पुनरीक्षण करने का निर्देश सीएमओं को दिया और जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने की बात कही।

खरीद-फरोख्त के डर से कांग्रेस के 80 विधायक होटल में कैद

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में राज्यसभा चुनाव को लेकर हलचल काफी तेज है। वहीं राज्यसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस के 80 से ज्यादा विधायक उदयपुर के एक होटल में डेरा जमाए हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक परसादी लाल मीणा, बी डी कल्ला, ममता भूपेश और सुरेश टॉक और कुछ निर्दलीय समेत कई मंत्री उदयपुर के होटल में मौजूद हैं। कांग्रेस पार्टी को डर है कि कहीं भाजपा विधायकों की खरीद-फरोख्त न कर ले, इसलिए पार्टी ने अपने विधायकों को एक जगह रखने का फैसला किया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन, विजेता कल होंगे पुरस्कृत

- तीन आयु वर्गों में पोस्टर प्रतियोगिता में मिलेंगे आकर्षक नगद पुरस्कार
- जन जागरूकता लाने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज सुबह 10 बजे से न्यू कन्वेन्शन हॉल नवीन विश्राम गृह सिविल लाईन रायपुर में विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन स्तर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों में होगी जिसमें पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। प्रथम आयु वर्ग में 12 वर्ष तक, द्वितीय आयु वर्ग में 13 वर्ष से 17 वर्ष तक तथा तृतीय आयु वर्ग में 18 से 21 वर्ष के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पुरस्कार स्वरूप आकर्षक नगद पुरस्कार रखे गये हैं। वन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर के मुख्य आतिथ्य में न्यू सर्किट हाऊस सिविल लाइन रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में 5 जून को दोपहर 2 बजे से विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस के इस अवसर पर 5 जून 2022 को प्रातः 6 बजे से साईकिल रैली जिसका नाम ''पैडल यात्री: रेसिंग टुवर्डस् अ ग्रीनर फ्यूचर'' दिया गया है, का आयोजन किया गया है। इस साइकिल रैली का शुभारंभ संसदीय सचिव विकास उपाध्याय द्वारा किया जाएगा। यह रैली अत्यंत रोचक ढंग से आयोजित की जाएगी एवं इसमें 5 चेक प्वाइंट होंगे। रैली मरीनड्राईव से प्रारंभ होकर गांधी उद्यान, जयस्तंभ चौक, आजाद चौक, अनुपम गार्डन होते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम परिसर में समाप्त होगी। मण्डल द्वारा 5 जून 2022 विश्व पर्यावरण दिवस को दोपहर 2 बजे से वन तथा आवास एवं पर्यावरण श्री मोहम्मद अकबर के मुख्य आतिथ्य में न्यू सर्किट हाऊस सिविल लाइन रायपुर में संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया है।

संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह कल

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर के मुख्य आतिथ्य में संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से राजधानी के सिविल लाईन स्थित नवीन विश्राम गृह में रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री तथा विधायक रायपुर ग्रामीण सत्यनारायण शर्मा करेंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष तथा विधायक रायपुर उत्तर कुलदीप जुनेजा, संसदीय सचिव चन्द्रदेव प्रसाद राय तथा संसदीय सचिव विकास उपाध्याय विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमणियम प्रमुख वक्ता होंगे।

छत्तीसगढ़ से राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन निर्विरोध निर्वाचित, भाजपा ने नहीं उतारा कोई उम्मीदवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन शुक्रवार को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुन लिए गए। विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापस लेने की समय सीमा शुक्रवार दोपहर को खत्म हो गई। इस दौरान किसी अन्य की ओर से कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया। इस वजह से दोनों उम्मीदवारों को निर्विरोध चुन लिया गया।

दरअसल, छत्तीसगढ़ के पांच राज्यसभा सदस्यों में से दो का कार्यकाल इसी महीने खत्म हो रहा है। इनमें कांग्रेस की छाया वर्मा और भाजपा से रामविचार नेताम शामिल थे। राज्य के तीन अन्य राज्यसभा सदस्य कांग्रेस से केटीएस तुलसी, फूलोदेवी नेताम और भाजपा से सरोज पांडेय हैं।

छत्तीसगढ में विधानसभा सदस्यों की कुल संख्या 90 है। इसमें कांग्रेस के 71 विधायक हैं जबकि भाजपा के 14, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) तीन और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के दो विधायक हैं।

सीएम बघेल का मोदी सरकार पर निशाना, टारगेट किलिंग पर चुप क्यों हैं भाजपा-आरएसएस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में टारगेट किलिंग को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और पूछा कि इन घटनाओं पर भाजपा और आरएसएस चुप क्यों हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि भाजपा नेताओं ने पहले दावा किया था कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य हो जाएगी, लेकिन स्थिति इससे बहुत दूर है। बघेल अपने निर्वाचन क्षेत्र-वार जनसंपर्क अभियान 'भेंट मुलकात' के तहत बस्तर क्षेत्र जाने से पहले यहां पुलिस लाइन के हेलीपैड पर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

कश्मीर में हाल ही में टारगेट हत्याओं पर एक सवाल पर बघेल ने कहा, वे (भाजपा नेता) दावा कर रहे थे कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द करने के बाद वहां सब कुछ सामान्य हो जाएगा। फिर ऐसा क्यों नहीं हुआ? उनके पास 'कश्मीर फाइल्स' देखने का समय था। लेकिन अब भाजपा और आरएसएस चुप क्यों हैं जब वहां हिंदुओं की हत्या की जा रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण बात यह है कि कश्मीर पर उनकी रणनीति पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने जो सोचा वह सही नहीं था। बघेल ने आगे पूछा कि कश्मीर में कश्मीरी पंडितों और हिंदुओं की हत्याओं के लिए कौन जिम्मेदार है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार क्या कर रही है।

भारत सरकार और राज्यपाल जबाव दे

गुरुवार को हिंदू सरकारी कर्मचारियों ने वहां एक रैली निकालकर यह जानने की मांग की कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं। भारत सरकार और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल को इनका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब वे सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा नहीं कर सकते तो आम लोगों का क्या होगा। राज्यसभा चुनाव में संभावित खरीद-फरोख्त के मद्देनजर हरियाणा कांग्रेस के विधायकों के यहां आने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सब कुछ ठीक है और वे प्रशिक्षण ले रहे हैं और बैठक कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर खरीद-फरोख्त में शामिल होने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि वह अन्य दलों के नेताओं को बल और छल से अपने पाले में लाती है।

अब 8वीं पास बन सकेंगे सीआरपीएफ के जवान, पूर्व सीएम रमन बोले-नक्सलवाद को खत्म करने में मिलेगी मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कांस्टेबल भर्ती में शैक्षिक योग्यता 10वीं से घटाकर अब आठवीं कर दिया गया है। आठवीं पास युवा भी सीआरपीएफ के जवान बन सकेंगे। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय के युवाओं को रोजगार से जोड़ने यह फैसला लिया है। सीआरपीएफने दक्षिण बस्तर के सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले में 400 जवानों की भर्ती का फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने इस फैसले को मंजूरी भी दे दी है। पूर्व सीएम डॉ. रमन ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय आने वाले समय में नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने में मिल का पत्थर साबित होगा।

पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आदिवासी भाई-बहनों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने मोदी सरकार निरंतर काम कर रही है। सेंट्रल कैबिनेट द्वारा सीआरपीएफ कांस्टेबल भर्ती में छत्तीसगढ़ के बीजापुर, दंतेवाड़ा व सुकमा जिले के आदिवासी युवकों के लिए शैक्षणिक योग्यता में छूट को मंजूरी दी है। अब 10वीं के स्थान में आठवीं पास युवा भी योग्य होंगे। केंद्र सरकार का यह निर्णय नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने में मिल का पत्थर साबित होगा। दरअसल, सीआरपीएफ ने वर्ष 2016-17 में राज्य के 4 जिलों बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और सुकमा में आदिवासियों के बस्तरिया बटालियन का गठन किया था। आदिवासी युवक दसवीं की अनिवार्य योग्यता को पूरा नहीं कर पाए थे, जिसके कारण योजना का अधिक फायदा नहीं मिल सका था।

भर्ती के बाद सीआरपीएफ कराएगी 10वीं की पढ़ाई

बता दें कि पीएम मोदी का अध्यक्षता में मंत्रिमंडल द्वारा यह निर्णय लिया गया है। गृह मंत्रालय बस्तरिया युवाओं को फिजिकल स्टैंडर्ड में भी छूट देगी। इस विशेष अभियान के तहत राज्य के नक्सल प्रभावित 3 जिलों बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा के आदिवासी युवाओं की भर्ती की जाएगी। सीआरपीएफइन युवाओं को ट्रेनिंग और प्रोबेशन के दौरान शिक्षा भी प्रदान करेगा। भर्ती के बाद 10वीं तक की शिक्षा दी जाएगी और उसके बाद इन्हें स्थायी कर दिया जाएगा। उन्हें शिक्षा प्रदान करने के लिए मान्यता प्राप्त स्कूलों में रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। सीआरपीएफमें स्थानीय युवाओं की भर्ती से नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों को मदद भी मिलेगी। स्थानीय लोग क्षेत्र और बस्तरिया भाषा में ग्रामीणों से संवाद कर सकेंगे।

सीसीएम में 13 जून से ओपीडी सेवा की होगी शुरूआत

जीवन शैली जनित रोग के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट क्लीनिक की होगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 13 जून को चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल कचांदुर में ओपीडी सेवाओं की शुरुआत कर, स्वास्थ्य सेवा में प्रसार किया जाएगा। सीसीएम कचांदुर में क्षेत्र के नागरिक ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठा सकें इसके लिए आज कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने यहां के डॉक्टर व स्टाफ के साथ मीटिंग रखी थी। जिसमें उन्होंने बुनियादी सुविधाओं के साथ उपस्थित डॉक्टरों व संबंधित अधिकारियों को ओपीडी खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने ओपीडी के साथ-साथ वैक्सीनेशन और फैमिली प्लानिंग सेक्शन में डॉक्टरों को विशेष ध्यान देने के लिए कहा ताकि आने वाले भविष्य के लिए एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा सके।

स्ट्रेस मैनेजमेंट क्लीनिक के साथ-साथ उपलब्ध होंगे कई विशेषज्ञ- वर्तमान में अनियमित जीवन शैली के चलते लोग डायबिटिज और हाइपर टेंशन जैसे बीमारियों से ग्रसित हो रहे है। इसलिए सीसीएम में स्ट्रेस मैनेजमेंट क्लीनिक की शुरुआत की जाएगी जो अपनी तरह की एक अनूठी पहल होगी। इसके अलावा सीसीएम में जनरल फिजिशियन ,स्त्री रोग,हड्डी रोग, नाक कान गला, शिशु और आंख रोग विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा अस्पताल में मोतियाबिंद, फैमिली प्लानिंग अन्य रोगों से संबंधित ऑपरेशन सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) से सेहतमंद बनेंगे बच्चे- बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ सीसीएम कचांदुर में कुपोषण की स्थिति से निपटने के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र भी खोला जाएगा। जहां 5 वर्ष तक के कुपोषित बच्चों को भर्ती किया जाएगा और उन्हें 14 दिन तक स्पेशल डाइट और इलाज मुहैया कराया जाएगा।आहार विशेषज्ञों और डॉक्टरों की उपस्थिति में बच्चों के खान-पान का विशेष ख्याल रखा जाएगा और भर्ती में बच्चे के वजन में न्यूनतम 15 फीसदी की वृद्धि के बाद उन्हें डिस्चार्ज किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. पीके पात्रा, डॉ. अतुल मनोहरराव देशकर, डॉ. नवीन गुप्ता, डॉ. किरण, डॉ. कलीन्द्री कुमार, डॉ. विनम्रता, डॉ प्रितम राजपूत, आकाक्षा तिवारी, राकेश कुमार, ज्योत्सना भारती उपस्थित रहें।

नहीं थम रहा हाथियों का आंतक

6 दोस्तों पर हाथी ने किया हमला, एक को कुचलकर मारा, 5 लोगों ने भागकर बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। जशपुर जिले में शुक्रवार को एक 35 वर्षीय व्यक्ति को हाथी ने कुचल कर मार डाला। इसकी जानकारी एक वन अधिकारी ने दी। उन्होंने कहा कि घटना कुंकुरी रेंज के कंडोरा करमटोली जंगल में हुई और मृतक की पहचान राजेश रभ (35) के रूप में हुई। वहीं एक ने अधिकारी ने व्यक्ति के परिजनों को मुआवजा देने की बात है।

मिली जानकारी के मुताबिक राजेश राम (35 वर्ष) अपने 5 साथियों के साथ कुनकुरी वन परिक्षेत्र के जंगल गया था। सभी कंडोरा करमटोली जंगल के नाले में मछली पकड़ने के इरादे से गए थे। तभी उनका सामना जंगली हाथी से हो गया। हाथी को देखकर सभी जान बचाकर भाग निकले, लेकिन राजेश भाग नहीं पाया। हाथी ने उसे सूंड से उठाकर पटक दिया और पैरों से कुचल दिया। सूचना पर वन विभाग व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मृतक के 2 बच्चे भी हैं। वह पेशे से ट्रैक्टर चालक था। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है। हाथियों की गांव के करीब आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत है।

स्थाई स्तंभ

तेल, मसाला, आटा, गुड़ सब के सब फर्जी

दीपक रंजन दास

भारत की निर्यात को बड़ा झटका लगा है। गेहूं और चायपत्ती अंतरराष्ट्रीय बाजार से बैरंग लौटा दिये गये हैं। दोनों में कीटनाशक और उर्वरकों के अवशेष मानक स्तर से ज्यादा पाए गए हैं। यह उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग का नतीजा हो सकता है। इधर देश में भी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने खाद्य वस्तुओं के सैंपल की जांच की है। तेल, मसाला, गुड़, मैदा, आटा सहित 180 सैम्पल फेल हो गये हैं। इधर देसी ग्राहक पी-मार्ट में खड़ा है। लुगाइयां आपस में बातें कर रही हैं। धन्यवाद का आटा अच्छा है। क्या पूड़ियां बनती हैं। दो शेर वाला सरसों का तेल बढ़िया है। क्या झांझ है, ढक्कन खोलते ही आंख-नाक से पानी बहने लगता है। ज्यादा पुरानी बात नहीं है। लोग बाजार से ठीक-ठाक गेहूं लाते थे, धोकर सुखाते थे और फिर उसे लोकल चक्की में पिसवा कर लाते थे। कच्ची घानियां हुआ करती थीं। लोग सरसों लेकर जाया करते थे। अब सब माल बढ़िया पैकिंग में चाहिए और वह भी सस्ता। उसका विज्ञापन होना चाहिए, ब्राण्ड वैल्यू होना चाहिए। पूरा ध्यान पैकिंग, लेबल, एमआरपी और डिस्काउंट पर है। क्वालिटी चेक करें भी तो कैसे? सबकुछ पैक। घटिया माल ही विज्ञापन और बढ़िया पैकिंग के बावजूद सस्ता हो सकता है। सरसों तेल में झांझ चाहिए तो तेजाब है न। आटा और मैदा का तो सभी को पता है। बावजूद इसके सबकुछ धड़ाधड़ बिक रहा है। ऐसा खाकर भी हम हिन्दुस्तानी विदेशियों से ज्यादा फिट हैं। कोरोना काल में हम इसका सबूत दे चुके हैं। एक सज्जन दो रोज पहले एक पाठ के कार्यक्रम में मिले। पाठ तो क्या ही सुनना था, दोपहर का भोजन था। वो बता रहे थे कि उनके घर में केवल सेंधा नमक चलता है। यह बात और है कि वो रोज शाम को एक पव्वा मारते हैं तब खाना खाते हैं।

संपादकीय

अब तुर्किये बोलिए

तुर्की ने अपना नाम बदलकर तुर्किये कर लिया और संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक रूप से इस नाम को मंजूरी भी मिल गई। तुर्की ने अपनी ओर से तुर्किये नाम को बीते दिसंबर में ही तय कर लिया था। तुर्की और तुर्किये में भला क्या अंतर है? दरअसल, स्थानीय भाषा में तुर्किये ही लिखा-बोला जाता है, तुर्की नाम तो बाकी दुनिया के लोगों ने रख दिया था। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन तुर्की नाम को गुलामी का प्रतीक मानते हैं, इसलिए वह तुर्किये नाम के पक्ष में अभियान चला रहे थे और उन्हें कामयाबी हासिल हुई है। अब पाठ्यपुस्तकों से लेकर खबरों तक तुर्की शब्द का लोप हो जाएगा और तुर्किये शब्द प्रचलन में आ जाएगा। विख्यात लेखक शेक्सपियर ने कहा था, 'नाम में क्या रखा है?' इसका एक माकूल जवाब हिंदी के ख्यात साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी ने दिया था, 'नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है। वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है। रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य। नाम उस पद को कहते हैं, जिस पर समाज की मुहर लगी होती है, आधुनिक शिक्षित लोग जिसे सोशल सैक्शन कहा करते हैं। मेरा मन नाम के लिए व्याकुल है, समाज द्वारा स्वीकृत, इतिहास द्वारा प्रमाणित, समष्टि मानव की चित्त गंगा में स्नात।'

> जो नाम थोपे गए हैं, जो नाम ज्यादातर स्थानीय लोगों के आत्मसम्मान, संस्कृति, समाज पर चोट करते हैं, उनकी विदाई का दौर पूरी दुनिया में चल रहा है। यह प्रचलन बुरा नहीं है, लेकिन नाम बदलते समय कोरी राजनीति जब काम करती है, तो कुछ न कुछ गलत हो ही जाता है। नाम में बहुत कुछ रखा है, इसलिए बहुत संवेदना के साथ ही नए या पुराने नाम का चयन करना चाहिए। किसी फैसले या राजनीति से परे यहां यह देखना सबसे जरूरी है कि लोग क्या चाहते हैं?

नाम वाकई भाव, प्रभाव और विचारों पर असर डालता है। तुर्किये अगर आज नाम बदलकर गौरव का एहसास कर रहा है, तो उसे इसका हक है। तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन का मानना है कि तुर्किये नाम से देश का इतिहास झलकता है और यह देश की संस्कृति व सभ्यता का प्रतिनिधित्व करता है। स्वतंत्रता की घोषणा के बाद इस देश ने 1923 में खुद को तुर्किये ही कहा था। बाद में एक पक्षी तुर्की नाम से प्रसिद्ध हुआ, तो कैंब्रिज शब्दकोश में तुर्की शब्द का मतलब एक ऐसी चीज से भी है, जो बुरी तरह नाकाम हो गई हो। नाम बदलने वाला तुर्किये कोई पहला देश नहीं है, हम अपने पड़ोस में ही अगर देखें, तो बर्मा ने अपना नाम म्यांमार कर लिया और सीलोन ने अपना नाम श्रीलंका। दूर की बात करें, तो दक्षिण रोडेशिया बन गया जिम्बाब्वे, तो स्वाजीलैंड बन गया इस्वातिनी। नाम बदलने की प्रक्रिया में लगभग हर जगह गुलामी या थोपे गए नाम से आजादी की कोशिश ही झलकती है। आज दुनिया का शायद ही कोई ऐसा राष्ट्र होगा, जो अपनी गुलामी के दौर की यादों को सहेजकर रखना चाहता होगा। नए दौर में धन की आजादी के साथ ही मन की आजादी की भी दुनिया में हवा चल रही है। लोग अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं, तो देशों को भी लौटना होगा। इसमें कुछ गलत नहीं है, हर कोई अपनी मजबूत बुनियाद पर खड़े होने की कोशिश में है। वर्तमान बुनियाद यदि मजबूत नहीं है, तो इतिहास में बुनियाद की तलाश हो रही है।

कलकत्ता से कोलकाता, मद्रास से चेन्नई, बॉम्बे से मुंबई, बंगलोर से बेंगलुरु, मैसूर से मैसुरु तक का सफर हमने भी तो तय किया है। हम लगातार अपनी जगहों और सड़कों के नाम बदल रहे हैं। जो नाम थोपे गए हैं, जो नाम ज्यादातर स्थानीय लोगों के आत्मसम्मान, संस्कृति, समाज पर चोट करते हैं, उनकी विदाई का दौर पूरी दुनिया में चल रहा है। यह प्रचलन बुरा नहीं है, लेकिन नाम बदलते समय कोरी राजनीति जब काम करती है, तो कुछ न कुछ गलत हो ही जाता है। नाम में बहुत कुछ रखा है, इसलिए बहुत संवेदना के साथ ही नए या पुराने नाम का चयन करना चाहिए। किसी फैसले या राजनीति से परे यहां यह देखना सबसे जरूरी है कि लोग क्या चाहते हैं?

दुशांबे में पाक क्यों नहीं आया?

अफगानिस्तान के आठ पड़ौसी देशों का एक चौथा सम्मेलन ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में इस हफ्ते हुआ। इस सम्मेलन में कजाकिस्तान, किरगीजिस्तान, उजबेकिस्तान और ताजिकिस्तान ने तो भाग लिया ही, उनके साथ रूस, चीन, ईरान और भारत के प्रतिनिधि भी उसमें गए थे। यह सम्मेलन इन देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का था। भारत से हमारे प्रतिनिधि अजित दोभाल थे। उनके साथ विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव जे.पी. सिंह भी थे लेकिन पिछली बार जब यह सम्मेलन भारत में हुआ था तो चीनी प्रतिनिधि इसमें सम्मिलित नहीं हुए थे। उन्होंने कोई बहाना बना दिया था।

पाकिस्तान न तो उस सम्मेलन में आया था और न ही इस सम्मेलन में आया। क्यों नहीं आया? क्योंकि एक तो इसमें भारत की उपस्थिति ऐसी है, जैसे किसी ड्राइंग रूम में हाथी की होती है। भारत इन देशों में चीन के बाद सबसे बड़ा देश है। भारत आतंकवाद का शिकार हुआ है। पाकिस्तान के लिए वह सिरदर्द बन सकता है लेकिन इस बार चीन दुशांबे में तो आया लेकिन दिल्ली में नहीं आया। क्यों नहीं आया, क्योंकि वह दिल्ली आता तो पाकिस्तान नाराज़ हो सकता था। पाकिस्तान और चीन की दोस्ती मामूली नहीं है। इस्पाती है। इसके बावजूद भारत और ताजिकिस्तान ने अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकवादियों की भर्त्सना की और काबुल में सर्वसमावेशी सरकार की मांग की। ताजिकिस्तान वही देश है, जहां काबुल से भागकर राष्ट्रपति अशरफ गनी पहुंच गए थे। अफगानिस्तान के फारसीभाषी ताजिक लोग उसका सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह हैं जबकि तालिबान मुख्यत: गिलजई पठान हैं। ताजिकिस्तान में बैठकर ही अहमदशाह मसूद ने काबुल की रूसपरस्त सत्ता को हिला रखा था।

वेद प्रताप वैदिक

> **कृषक वर्ग, पशुपालक वर्ग और शिल्पी वर्ग को भी, जो भारतीय समाज की रीढ़ हैं, सरकारी नौकरियों में काम करने का मौका मिलना चाहिए, क्योंकि इनको अनुसूचित जनजातियों या अनुसूचित जातियों में शामिल नहीं किया गया है।...आशा है कि ...जातिवाद के जहरीले सांप का हम हनन कर देंगे और इस बात के लिए शीघ्र कार्रवाई की जाएगी कि अपना यह महिमा मंडित स्वतंत्र देश उन लोगों के लिए स्वर्ग बन जाए, जो शताब्दियों से यहां असमता का उत्पीड़न सहते आ रहे हैं।**

अब हर वंचित को उसका वाजिब हक देना होगा

गुप्तनाथ सिंह, स्वतंत्रता सेनानी

मानव और मानव के बीच जो भेदभाव और अंतर बढ़ता जाता है, वह एक भयंकर विषवृक्ष है, जिसे स्वतंत्र भारत में कभी पनपने का हमें मौका ही न देना चाहिए। किंतु अपने समाज का वर्तमान ढांचा ही कुछ ऐसा है कि बाध्य होकर हमें और हमारे नेताओं को रक्षण और संरक्षण के सिद्धांत को स्वीकार करना पड़ रहा है। मैं जानता हूं कि इस व्यवस्था को हमने खुशी से नहीं रखा है। हम चाहते हैं कि यह व्यवस्था हमेशा के लिए ही उठा दी जाए, किंतु भारतीय समाज के कतिपय वर्ग ऐसे हैं, हरिजन बंधु और आदिवासी मित्र, जो शताब्दियों से यहां उत्पीड़न सहते आ रहे हैं... जिससे डरकर वह इन रक्षणों की मांग कर रहे हैं। उनकी यह मांग ठीक है। उनको रक्षण मिलना चाहिए और इतना पर्याप्त रक्षण मिलना चाहिए कि जिससे वह समाज के अन्य वर्गों के समक्ष आ सकें। ऐसा होने पर ही मानव और मानव के बीच बरते जाने वाले इस भयंकर भेदभाव का अंत होगा, अन्यथा नहीं।

...देश में और भी बहुत से ऐसे वर्ग हैं, जिनकी अवस्था आज अपने हरिजन और आदिवासी बंधुओं से किसी तरह भी अच्छी नहीं है। देश के कुछ भागों में तो अवस्था इतनी खराब है कि इन लोगों की हालत हरिजनों और आदिवासियों से भी गई बीती है। ...ब्राह्मण लोग जो अपने को मानव समाज के उच्चतम स्तर पर अवस्थित मानते हैं, उनमें भी बहुत से ऐसे हैं, जो अछूत हैं। आपको यह सुनकर आश्चर्य होगा कि ब्राह्मणों में भी अछूत वर्ग वर्तमान है और इसे अब्राह्मणों से भी छोटा समझा

जाता है। आखिर इन सब बातों का मतलब क्या होता है? ये सब व्यर्थ की बातें हैं। किसी को हम छोटा समझते हैं और किसी को बड़ा। मानव समाज में इस तरह का भेदभाव कभी न रहने देना चाहिए। किंतु हमारा समाज इस भेदभाव को बनाए हुए है। हमारे समाज के लिए यह दुर्भाग्य की ही बात है। यही कारण है, जो हमारे मित्र रक्षण, संरक्षण, आरक्षण आदि की मांग कर रहे हैं।

...रक्षण और नियंत्रण के कारण ही भ्रष्टाचार फैलता है। मैं आपके सामने इसके दो उदाहरण रखता हूं। केंद्रीय शासन ने इस बात का ऐलान किया था कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों और सामाजिक तथा आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए वर्गों के लोगों को अध्ययन के लिए वह छात्रवृत्तियां देगी। पिछड़े हुए वर्गों में 'किसान' भी माना जाता है। 'किसान' शब्द का आम अर्थ कृषक और कोई भी आदमी कृषक हो सकता है, चाहे वह ब्राह्मण हो या कायस्थ हो या और कोई भी हो। किंतु संयुक्त प्रांत में 'किसान' शब्द एक सीमित अर्थ में ही प्रयुक्त होता है। कृषक वर्ग के उस व्यक्ति को, जो पिछड़ा हुआ है, वहां किसान कहा जाता है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा श्रीमान कि इस छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र देने वाले छात्रों में कुछ ऐसे भी थे, जो समुन्नत वर्ग के थे, पर आवेदन उन्होंने इस आधार पर दिया था कि उनके पूर्वज किसान थे और वह भी खेती-बाड़ी का ही काम करते हैं, इसलिए उन्हें यह छात्रवृत्ति मिलनी चाहिए।

इसी तरह, एक बार ऐसा हुआ था कि हरिजन कोष से मिलने वाली छात्रवृत्ति के लिए कुछ ब्राह्मणों ने आवेदन पत्र दिए थे, यह दावा करते हुए कि वे भी हरिजन हैं। इस तरह हम देखते यह हैं कि रक्षण और नियंत्रण की व्यवस्था से भ्रष्टाचार ही फैलता है, ...इस व्यवस्था को हमें कभी बढ़ावा नहीं देना चाहिए। किंतु चूंकि हमारा समाज हठधर्मी हो गया है, इसलिए इसका कुपरिणाम हमें भुगतना ही पड़ेगा। हमारे समाज का वर्तमान ढांचा ही कुछ ऐसा है कि उसमें इन खराबियों का पैदा होना अनिवार्य है। वर्तमान सामाजिक व्यवस्था के कारण ही दलित वर्गों के मन में अविश्वास और आशंका की भावना पैदा हो रही है। उनको डर इस बात का है कि संरक्षण का उपबंध न रहने से प्रशासकीय सेवाओं में उनको समुचित जगह नहीं मिल पाएगी और इसीलिए रक्षण की वह मांग कर रहे हैं।...

कृषक वर्ग, पशुपालक वर्ग और शिल्पी वर्ग को भी, जो भारतीय समाज की रीढ़ हैं, सरकारी नौकरियों में काम करने का मौका मिलना चाहिए, क्योंकि इनको अनुसूचित जनजातियों या अनुसूचित जातियों में शामिल नहीं किया गया है।...आशा है कि ...जातिवाद के जहरीले सांप का हम हनन कर देंगे और इस बात के लिए शीघ्र कार्रवाई की जाएगी कि अपना यह महिमा मंडित स्वतंत्र देश उन लोगों के लिए स्वर्ग बन जाए, जो शताब्दियों से यहां असमता का उत्पीड़न सहते आ रहे हैं।

(संविधान सभा में दिए गए भाषण के अंश)

हम दो, हमारे दो और हमारी प्रजनन दर भी दो

दिलीप डिसूजा, वरिष्ठ पत्रकार

सन 1981 की जनगणना के ठीक बाद की बात है। उस जनगणना में यह पता चला कि अनपढ़ भारतीय महिलाओं की शादी औसतन साढ़े सोलह साल की उम्र में हो जाती है। उसमें यह भी पाया गया कि प्राथमिक स्कूल जाने वाली लड़कियों की शादी औसतन 17 साल तीन महीने के बाद होती है। यानी, प्राथमिक स्कूल में जाने से शादी की औसत उम्र में तकरीबन नौ महीने की वृद्धि होती दिखी। तो सवाल यह है कि जब प्राथमिक स्कूल की पढ़ाई करने से महिलाओं के बच्चे पैदा करने वाले वर्षों में नौ महीने (एक संभावित गर्भधारण) की कमी आती है, तो जब वे उच्च शिक्षा ग्रहण करेंगी, तब क्या होगा? यदि कोई भारतीय महिला कॉलेज की डिग्री हासिल करती है, तो उसकी शादी औसतन 21वर्ष, आठ महीने में होती है। यह अशिक्षित स्त्री की तुलना में पांच साल से ज्यादा का वक्त है, यानी करीब सात संभावित गर्भधारण। जाहिर है, हमें महिलाओं को शिक्षित करने के बारे में सोचना चाहिए, ताकि प्रजनन वाले वर्षों को आगे बढ़ाया जा सके। इस तरह यह जनसंख्या वृद्धि को थामने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

यह आज प्रासंगिक क्यों है? इसकी वजह

कुल प्रजनन दर है। यह किसी महिला के जीवनकाल में बच्चे पैदा करने की संख्या होती है। इसका जनसंख्या वृद्धि से सीधा नाता है, यानी जिस देश में प्रजनन दर जितनी अधिक होगी, वहां उतनी तेजी से आबादी बढ़ेगी। अमीर देशों में यह दर कम है, जबकि गरीब मुल्कों में ज्यादा। जहां भी जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उपाय किए गए हैं, वहां लक्ष्य इसी प्रजनन दर को दो से कम रखना है। इसे 'रिप्लेसमेंट लेवल' कहते हैं, क्योंकि यह माना जाता है कि दो बच्चे का मतलब है, एक लड़का और एक लड़की का पैदा होना, जो आगे चलकर खुद माता-पिता की जगह ले लेंगे। सैद्धांतिक रूप से यदि किसी देश की प्रजनन दर दो है और कोई अप्रवासी नहीं है, तो वहां की आबादी में कोई बदलाव नहीं होगा। इसकी चर्चा आज इसलिए हो रही है, क्योंकि भारत में कुल प्रजनन दर वर्षों से घट रही है और अब यह दो के करीब पहुंच चुकी है। अगर यह सही है, तो हमारे यहां जनसंख्या वृद्धि जल्द ही रुक जाएगी, बल्कि यह कम होने लगेगी।

सवाल यह है, जब हम प्रजनन दर को दो पर लाने में सफल हो गए हैं, तब इस उपलब्धि का जश्न क्यों नहीं मनाया जा रहा? मैं इसका जवाब नहीं दे सकता, लेकिन यह सोचने वाली बात जरूर है। वैसे, भारत जैसे बड़े देश में अन्य आंकड़ों की तरह प्रजनन दर को महज उद्धृत कर देना भ्रामक हो सकता है, और इससे सही तस्वीर नहीं आ सकती। मसलन, गल्फन्यूज के लिए लिखे अपने लेख में शिवम विज बताते हैं, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े उत्तर भारतीय राज्यों में प्रजनन दर अब भी दो से अधिक है। बिहार में तो यह तीन है, जो कम से कम 15 वर्षों तक दो पर नहीं आने वाली। यह तस्वीर दक्षिण भारतीय राज्यों की शिकायतों को उजागर करती है कि उन्होंने जनसंख्या वृद्धि को थामने की कड़ी मेहनत की, लेकिन उत्तर भारतीय राज्यों ने ऐसा नहीं किया। फिर भी, यदि जनसंख्या बंटवारे को बेहतर ढंग से प्रदर्शित करने के लिए संसदीय प्रतिनिधित्व में संशोधन की बात होगी, तो उत्तरी राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी, क्योंकि उनके पास अब भी आबादी ज्यादा है। साफहै, इस तरह की कवायद वास्तव में जनसंख्या वृद्धि को थामने के प्रति उनकी उदासीनता को पुरस्कृत करना होगा।

बहरहाल, यह अलग बहस का विषय है। मेरा सिर्फयह कहना है कि हम महिलाओं को शिक्षित करके ही उसके बच्चे पैदा करने वाले वर्ष को छह साल तक कम कर सकते हैं, यानी बिना किसी अन्य उपाय के प्रजनन दर कम कर सकते हैं। और, घटती प्रजनन दर को भारत की जनसंख्या वृद्धि में आ रही गिरावट में हम देख सकते हैं। मगर इसमें एक परेशान करने वाला सच भी छिपा हुआ है। यह गिरावट लड़कों की तुलना में लड़की में अधिक है। इसका अर्थ है कि शिक्षा के स्तर में वृद्धि से बेशक प्रजनन दर में कमी आती है, लेकिन इससे लड़कों के जन्म को तवज्जो देने की मानसिकता पर बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ता। यानी, प्रजनन दर में कमी भारत में लड़कों के पक्ष में लिंगानुपात भी बढ़ा रही है। तो ऐसे में, हमें प्रजनन दर के दो पर आने का क्या जश्न मनाना चाहिए? इसका जवाब हमें खुद में खोजना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

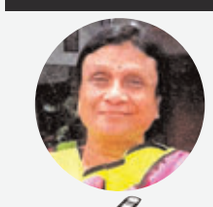

दिन दर्द में बीता,
रात खामोशी में,
सजा ऐसी मिली
फिर शिकायत
किसी से भी नहीं।

-अंजली जैन
7024460938

राजनैतिक संस्कृति सुधरने के बजाय बिगड़ी!

अजीत द्विवेदी

आठ साल पहले नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने देश में नई राजनीतिक संस्कृति शुरू करने का वादा किया था। उन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया था, जिसकी एक व्याख्या यह की गई कि वे कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति से देश को मुक्त करना चाहते हैं। यह बड़ा मनभावन नारा था क्योंकि इस हकीकत से किसी को इनकार नहीं होगा कि आजादी के बाद सात दशक में सभी राजनीतिक दल किसी न किसी रूप में कांग्रेस की कार्य संस्कृति को अपना चुके थे- यहां तक कि भाजपा भी। तभी संघ-भाजपा के विचारक गोविंदाचार्य ने भाजपा को भगवा कांग्रेस कहना शुरू कर दिया था। जब नरेंद्र मोदी ने राजनीति को बदलने की बात कही तो यह उम्मीद बंधी थी कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति से देश को मुक्ति मिलेगी। पार्टियों की राजनीतिक संस्कृति के साथ साथ प्रधानमंत्री मोदी ने दशकों से चली आ रही राजनीतिक कुरीतियों को भी खत्म करने का संकल्प जताया था और इसका एक रोडमैप भी सामने रखा था। उनके दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के मौके पर उनकी उपलब्धियों का लेखा-जोखा करते हुए आर्थिक, सामाजिक, सामरिक व वैश्विक नीतियों के साथ साथ इस पर भी चर्चा होनी चाहिए कि राजनीति कितनी बदली।

देश की राजनीति को बदलने के लिए मोदी ने जो रोडमैप रखा था, उसमें चार बातें मुख्य थीं। पहली बात देश के सारे चुनाव एक साथ कराने की थी क्योंकि हर साल चुनाव होने से विकास की गतिविधियां प्रभावित होती हैं। दूसरी बात राजनीति की ऊपर से सफाई करने की थी। उन्होंने कहा था कि वे नीचे से नहीं, बल्कि ऊपर से राजनीति की सफाई करेंगे और सबसे पहले दागी-आरोपी नेताओं को सजा दिलाएंगे। तीसरी बात राजनीतिक चंदे को पारदर्शी बनाने की थी और चौथी बात राजनीति को वंशवाद-परिवारवाद से मुक्त करके उसे समावेशी बनाने की थी। कहने की जरूरत नहीं है कि ये चारों बातें भारतीय राजनीति को स्वच्छ बनाने के लिए जरूरी हैं। लेकिन अगर आठ साल का इतिहास देखें तो पता चलता है कि इनमें से किसी एजेंडे पर आंशिक रूप से भी अमल नहीं हुआ है।

सबसे पहले एक साथ चुनाव की बात करते हैं। नरेंद्र मोदी ने अनेक बार एक देश, एक चुनाव की बात कही है। चुनाव आयोग भी उनकी इस बात से हर बार सहमति जताता है। लेकिन पिछले आठ साल में एक ठोस पहल चुनाव आयोग की ओर से यह हुई है कि आयोग ने हर चुनाव के लिए एक कॉमन वोटर लिस्ट बनाने का फैसला किया है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

नमन ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
9926278943
9406434001
पताः- आदर्श नगर, पेट्रोल पंप के पास, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

भेंट-मुलाकातः मुख्यमंत्री ने भानबेड़ा में क्षेत्र के विकास के लिए की अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भानुप्रतापुर विधासभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भानबेड़ा में भेंट-मुलाकात के दौरान जनहित में अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। ग्रामीणों ने इसे दूर-दराज वनांचल के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया और इसके लिए ग्रामीणों द्वारा मौके पर काफी हर्ष व्यक्त किया गया। मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा आज भानबेड़ा में की गई घोषणाओं में भानबेड़ा प्रवेश द्वार से स्कूल प्रांगण तक सी.सी. रोड का निर्माण शामिल है।

इसी तरह उन्होंने भानबेड़ा में सामुदायिक भवन निर्माण, उप स्वास्थ्य केन्द्र भानबेड़ा में अहाता निर्माण और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भानबेड़ा का 10 बिस्तर से बढ़ाकर 20 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन की घोषणा की। इसके अलावा विधानसभा क्षेत्र भानुप्रतापपुर अंतर्गत मुंगवाल, भैंसाकन्हार तथा चिचगांव के हाईस्कूलों का हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस दौरान घोटा से परवी मार्ग पर नवीन पुलिया का निर्माण तथा वनांचल के पांच गांवों में सोलर लाईट लगवाने की घोषणा की। उन्होंने इसके अलावा नगर पंचायत भानु में मुक्तिधाम का निर्माण तथा कनेचुर में भी हायर सेकेंडरी स्कूल खोलने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान भानबेड़ा में लगाई गई चौपाल में लोगों से बात करते हुए पूछा कि किस-किस का राशन कार्ड बना है, जिस पर सभी लोगों ने हाथ उठाकर 'हां' में जवाब दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री से ललिता तारम ने उनका जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पाने की समस्या बताई तो मुख्यमंत्री ने तुरंत आवेदन देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कांकेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भानबेड़ा में आज भेंट-मुलाकात के दौरान ग्रामीणों को वनाधिकार मान्यता पत्र वितरण की जानकारी देते हुए कहा कि 13 दिसम्बर 2005 के पहले काबिज लोगों को पट्टे की पात्रता है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान ग्राम भानबेड़ा में दिशा महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित महुआ लड्डू निर्माण इकाई में महुआ लड्डू निर्माण का भी अवलोकन किया। यहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल महुआ लड्डू निर्माण केंद्र भानबेड़ा में समूह की महिलाओं से बातचीत की। महिला समूह ने मुख्यमंत्री को महुआ लड्डू बनाने की विधि बताई मुख्यमंत्री ने महुआ लड्डू का स्वाद चखा और उसकी तारीफ की।

कुपोषण को हराने बच्चों को मिल रहा सुपोषित भोजन, कुपोषण से मुक्त हो रहे बच्चे

श्रीकंचपथ न्यूज

कोरबा। गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने के लिए जिले में स्थापित पोषण पुनर्वास केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। एनआरसी में बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने के लिए सुपोषित भोजन, पौष्टिक आहार एवं बच्चों की माताओं को सुपोषण से संबंधित जरूरी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा हैं। एनआरसी में दिये जा रहे पौष्टिक आहार एवं चिकित्सकीय उपचार के कारण गंभीर कुपोषित बच्चे तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं।

विकासखंड करतला के अंतर्गत ग्राम कलगामार निवासी श्री संतोष कुमार की 19 माह की पुत्री कृति कुपोषण से लड़ रही थी। कृति को सुपोषित करने एक अप्रैल 2022 को करतला सीएससी के एनआरसी में भर्ती कराया गया। एनआरसी में भर्ती के समय बच्ची 19 माह की थी तथा वजन 5.1 किलोग्राम था। बच्ची कुपोषित होने के कारण चलने में सक्षम नहीं थी। दूसरे दिन बच्ची का लैब में जांच कराया गया तथा निर्धारित पौष्टिक आहार के साथ आवश्यक औषधि भी दिया गया। लगातार पौष्टिक आहार और जरूरी दवाईयों के सेवन करने से 15 दिन के पश्चात बच्ची का वजन 6.2 किलोग्राम हो गया। भर्ती होने पश्चात् लगातार उसके स्वास्थ्य एवं खुराक में सुधार होता गया। 15 दिन में ही कृति के वजन में 1.1 किलोग्राम की वृद्धि हुई। एनआरसी से डिस्जार्च होने के 15 दिन पश्चात फॉलोआप हेतु पुनः अस्पताल में चेकअप कराया गया। उस समय बच्ची के वजन में लगातार वृद्धि पाया गया। इस प्रकार इस प्रकार कुपोषण को हराने एनआरसी में भर्ती किए गए कृति को दिए गए पौष्टिक आहार और बेहतर देखभाल के कारण कृति जल्दी स्वस्थ हो गई।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा रणनीति तैयार कर गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण स्तर के सामान्य श्रेणी में लाने के लिए बच्चों को एनआरसी लाया जा रहा हैं। जिले में गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर इन बच्चों का नजदीकी एनआरसी में रखकर देखभाल किया जा रहा हैं। बेहतर देखभाल और दिये जा रहे पौष्टिक आहार के कारण कुपोषित बच्चे एनआरसी में भर्ती होकर कुपोषण से मुक्त हो रहे हैं। एनआरसी में बच्चों की वर्तमान कुपोषण की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पोषण और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। एनआरसी में बच्चों की माताओं को बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए खानपान और देखभाल से संबंधित ट्रेनिंग भी दी जाती हैं। एनआरसी में बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने देख रेख के साथ पोषण आहार भी दिया जा रहा हैं।

खास खबर

सांस्कृतिक मंडलियों और कलाकारों के पंजीकरण के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित

रायपुर। प्रादेशिक लोकसंपर्क कार्यालय, रायपुर द्वारा नाटक, नुक्कड़, नृत्य-नाटक, मिश्रित कार्यक्रम, लोक और पारंपरिक गायन (एफ्टीआर), जादू, पौराणिक गायन (एमआर), कठपुतली आदि के इच्छुक निजी सांस्कृतिक मंडलियों, व्यक्तिगत कलाकारों से तीन वर्ष की अवधि के लिए पंजीकरण अथवा पैनलबद्धता हेतु आवेदन आमंत्रित करता हैं । आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 जून 2022 है । पंजीकरण के लिए गैर वापसी योग्य शुल्क-डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से भुगतान किया जाना हैं । 10 सदस्यों और अधिक वाले दलों के लिए पंजीकरण शुल्क 2000/- रूपए देय होगा तथा 10 सदस्यों से कम वाले दलों के पंजीकरण शुल्क 1000/- रूपए देय होगा । अनुसूचित जाति, अनूसुचित जनजाति या महिला की अध्यक्षता वाली मंडली के लिए पंजीकरण शुल्क की छुट होगी । अनुसूचित जाति, अनूसुचित जनजाति या महिला के 50 प्रतिशत सदस्यों वाले दलों को भी पंजीकरण शुल्क की छुट होगी । व्यक्तिगत कलाकारों जोकि अनुसूचित जाति, अनूसुचित जनजाति या महिला वर्ग से संबंधित होंगे, को भी पंजीकरण शुल्क की छुट मिलेगी । इस तरह की छुट चाहने वाले दलों को संबंधित प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा । छत्तीसगढ़ के बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कबीरधाम, कांकेर, नारायणपुर, राजनांदगांव, महासमुंद, बालोद, सुकमा, धमतरी, गरियाबंद, बलरामपुर एवं कोंडागांव के आकस्मिक कलाकार अथवा व्यक्तिगत कलाकार या पंजीकृत कलाकारों को भी पंजीकरण शुल्क में छुट दी जाएगी । आवेदन-पत्र के साथ ही सांस्कृतिक दल प्रमुख एवं सदस्यों के विधिवत राजपत्रित अधिकारी अथवा बैंक प्रबंधक अथवा स्कूल प्राचार्य अथवा राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित हालिया पासपोर्ट आकार के फ़ोटो की तीन प्रतियां संलग्न होने चाहिए । जैसे- नाम, पिता/पति का नाम, आवासीय प्रमाण के साथ पता, राष्ट्रीयता, दल में भूमिका आदि विवरण के साथ यह शीट दल प्रमुख द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए।

दुर्गूकोंदुल में भेंट मुलाकात के कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कोदो-कुटकी प्रोसेसिंग कर रहे समूहों से की विशेष चर्चा

कोदो-कुटकी अब हो गए खास, प्रोसेसिंग की सुविधा से उत्पादकों को मिल रहा अच्छा रेट

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। कोदो-कुटकी के पौष्टिक गुणों के संबंध में देश में तेजी से जागरूकता बढ़ी है और इन उत्पादों की बड़ी माँग खड़ी हुई है। इस अवसर का पूरा लाभ किसानों को देने छत्तीसगढ़ सरकार इसकी प्रोसेसिंग को प्रोत्साहित कर रही है। भानुप्रतापपुर विधानसभा के दुर्गूकोंदुल में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कोदो-कुटकी की प्रोसेसिंग कर रही महिलाओं से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने चर्चा में कहा कि बस्तर की भूमि में होने वाले कोदो कुटकी के उत्पादन से किसानों और इसकी प्रोसेसिंग में हिस्सा ले रहे समूहों के लिए बड़ी संभावना है क्योंकि बस्तर में जंगली भूमि होने की वजह से तथा रासायनिक खाद का प्रयोग कम किये जाने की वजह से यहां के उत्पादन को अच्छा मूल्य मिल सकता है। इस वजह से हमने वनोपजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की नीति बनाई है और उस पर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर लोगों से जैविक खाद के अधिकाधिक उपयोग की अपील भी की। इस मौके पर विधानसभा उपाध्यक्ष श्री मनोज मंडावी एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया भी मौजूद थीं।

पीएमजीएसवाय की पुलिया के लिए जमीन गई, कलेक्टर को जमीन दिलाने निर्देशित किया- ग्राम मेड़ो के किसान श्री गणेशराम ने बताया कि वर्ष 2016-17 में गांव में पुलिया बनी। इसके लिए जमीन ली गई लेकिन मुआवजा नहीं मिल पाया है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को किसानों को जमीन दिलाने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि पीएमजीएसवाय योजना में मुआवजे का प्रावधान नहीं है। जमीन के बदले जमीन ही दी जा सकती है। गांव के लोगों ने बताया कि गांव में 13 साल से स्कूल खुला है लेकिन भवन नहीं है। गांव वालों ने चंदा कर शेड बनाया है। बरसात में बहुत परेशानी होती है। इस पर मुख्यमंत्री ने मेड़ो में स्कूल भवन की घोषणा की। इसी तरह मिरवाही की निवासी संकरा बाई ने बताया कि राशन कार्ड नहीं बना है। मुख्यमंत्री ने खाद्य विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने निर्देशित किया।

जाति प्रमाणपत्र बना की नहीं, पूछा मुख्यमंत्री ने- मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात के दौरान शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। जब उन्होंने जाति प्रमाणपत्र की जानकारी ली तो ग्रामीण श्री रामदेव ने बताया कि हल्बा जाति का प्रमाणपत्र नहीं बन पाया है क्योंकि पुराने रिकार्ड नहीं मिल रहे हैं इसलिए मेरे दो बच्चों का प्रमाणपत्र नहीं बन पा रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दस्तावेज नहीं हो तो विषय ग्रामसभा के समक्ष रख सकते हैं। ग्रामसभा से पारित करने पर यह समस्या दूर हो जाएगी। सविता उइके के यहां किया भोजन, बच्चों से पूछा, किस स्कूल में पढ़ते हो तो बताया स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में- मुख्यमंत्री ने पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती सविता उइके के घर में भोजन किया। वहां भोजन के दौरान उन्होंने बच्चों से पूछा कि किस स्कूल में पढ़ते हो। बच्चों ने बताया कि हम लोग स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडिम स्कूल में पढ़ते हैं। श्रीमती सविता ने मुख्यमंत्री से कहा कि आपकी वजह से बच्चों को गुणवत्तायुक्त अच्छी शिक्षा मिल पा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुर्गूकोंदल का किया निरीक्षण- मुख्यमंत्री ने दुर्गुकोंदुल में 30 बिस्तरों वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुर्गूकोंदल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने दंत चिकित्सा वार्ड, रेडियोग्राफी रूम, नवजात शिशु देखभाल केन्द्र, प्रयोगशाला, पंजीयन कक्ष, औषधि वितरण केन्द्र, प्रसव वार्ड, टीकाकरण कक्ष, टी.बी. क्लीनिक, आईसोलेशन कक्ष आदि का निरीक्षण कर अस्पताल में ईलाज हेतु आये मरीजों से हाल पूछा। यहां उन्होंने 80 प्रतिशत अस्थिबाधित ग्राम भंडारडिगी के नंदकिशोर और खुटगांव के मनोज कुमार को व्हील चेयर प्रदान किया। उन्होंने भंडारडिगी के श्रीराम और शामसिंह को ट्राइसिकल वितरित किया। मुख्यमंत्री ने भंडारडिगी के ही सगनु राम और सन्नुराम को श्रवण यंत्र भी प्रदान किया।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं- मुख्यमंत्री ने ग्राम मेड़ो में स्कूल भवन, मिलेट प्रसंस्करण केंद्र को पिकअप और शेड, सभी देवगुड़ियों और घोटुल का जीर्णोद्धार,सोलर स्ट्रीट लाइट के लिए 30 लाख रुपए, कोड़ेकुरसे में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने खूंटगांव में नलजल योजना के तहत नई पानी टंकी, हाटकोंदल में नया हायर सेकेंडरी स्कूल और दुर्गुकोंदुल सीएससी में बाउंड्रीवाल की घोषणा की।

संवेदनशील मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल बचपन से दिव्यांग बहनों का होगा इलाज

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज दुर्गुकोंदल में बचपन से दिव्यांग बहनें प्रियंका दुग्गा व प्रीति दुग्गा के इलाज के लिए हर सम्भव कदम उठाने के निर्देश दिए । दुर्गुकोंदल भेंट मुलाक़ात कार्यक्रम की समाप्ति पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लोगों से आवेदन लेने स्वयं उनके बीच पहुंचे।

इस दौरान उनकी नज़र भीड़ में उन्हें आशा भरी निगाहों से तकती दिव्यांग बेटी प्रियंका दुग्गा पर पड़ी। मुख्यमंत्री ने तुरन्त प्रियंका और उसकी बहन प्रीति को सामने बुलवाया और उनकी समस्या सुनी। प्रियंका ने बताया कि वो और उसकी छोटी बहन प्रीति दोनों बचपन से दिव्यांग हैं, दोनों के हाथ और पैर में दिव्यांगता है। प्रीति को बोलने में भी परेशानी होती है। उनकी माता का बहुत पहले ही देहांत हो चुका है। दोनों बहनों के पिता राजकुमार दुग्गा भी दिव्यांग हैं और वे लकड़ी बेच कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बिटिया प्रीति व प्रियंका की व्यथा सुन तुरन्त कलेक्टर के दोनों बहनों के बेहतर से बेहतर इलाज के लिए हर सम्भव कदम उठाने के निर्देश दिये।

साई कॉलेज में साइकिल रैली निकाल कर मनाया गया विश्व साइकिल दिवस

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। साई कॉलेज सेक्टर 6 भिलाई में 3 जून 2022 विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष पर Eco Club health and hygiene Club के द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया ।विश्व साइकिल दिवस का दिन साइकिल को एक सरल किफायती एवं स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन के स्थाई साधन के उपयोग के लाभों के बारे में बताता है ।

यह दिन साइकिल का उपयोग करने के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है ।साइकिल रैली का आयोजन करके लोगों के बीच साइकिल को लेकर जागरूकता फैलाई गई एवं फिटनेस के लिए और परिवहन के साधन के रूप में लोगों को साइकिल के लिए प्रोत्साहित किया गया जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं सहायक प्राध्यापकों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ डी बी तिवारी में छात्र-छात्राओं के उत्साहवर्धन हेतु साइकिल चलाकर उन्हें प्रोत्साहित किया ।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु Health and hygiene club के इंचार्ज डॉ प्रतिभा गुमास्ता एवं श्वष्ष्थ ष्ट्यह्वड्ढ इंचार्ज श्रीमती शशि साहू एवं महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापको एवं हस्स् के स्वयंसेवको का सफल योगदान रहा ।

साइकिल चलाना स्वास्थ्य को संजीवनी देने जैसा - सांसद

एनवायकेएस ने विश्व साइकिल दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

सांसद अरुण साव व विधायक रजनीश सिंह ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

श्रीकंचपथ न्यूज

बिलासपुर। विश्व साइकिल दिवस पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र बिलासपुर द्वारा रतनपुर मंदिर परिसर के पार्किंग ग्राउंड में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के मुख्य अतिथि बिलासपुर के सांसद अरुण साव रहे। अध्यक्षता बेलतरा विधायक रजनीश सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के बतौर नगर पंचायत अध्यक्ष घनश्याम रात्रे, उपाध्यक्ष कन्हैया यादव, वार्ड पार्षद सुनीता माणिकपुरी व राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य संपर्क अधिकारी समरेंद्र सिंह रहे। कार्यक्रम के आरंभ में रतनपुर के युवा मंडल के सदस्यों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को अतिथियों ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इसके बाद द्वीप प्रज्वलित कर जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

मुख्य अतिथि सांसद अरुण साव ने कहा कि भारत सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोगों को फिटनेस के प्रति सचेत करने की दिशा तत्परता से कार्य कर रही है। इसीलिए फिट इंडिया मूवमेंट जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित युवाओं से कहा कि आप फिटनेस के मंत्र को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। सामान्य व्यक्ति के लिए साइकिलिंग से बढ़िया कोई एक्सरसाइज नहीं है। विदेश के लोगों द्वारा भी इसे अपनाया जा रहा है। दुनिया के कई विकसित देशों में तो लोग कार छोड़ कर शौकिया तौर पर साइकिल चला रहे हैं। उन्होंने कोरोना का उदाहरण देते हुए बताया कि जो लोग शारीरिक तौर पर ज्यादा सक्रिय होते हैं उन्हें बीमारियों का कम सामना करना पड़ता है। साइकिल चलाने से हमारे शरीर का ज्यादातर हिस्सा सक्रिय हो जाता है। वास्तव में हम साइकिल चला कर अपने स्वास्थ्य को संजीवनी देने का कार्य करते हैं। इसलिए हमें साइकिलिंग को अपनी आदत में शामिल कर लेना चाहिए। सांसद साव ने लोगों से फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज लेने की भी अपील की।

अध्यक्षीय संबोधन में बेलतरा विधायक रजनीश सिंह ने कहा कि साइकिल चलाने से न सिर्फ हम अपने शरीर को बल्कि पर्यावरण को भी लाभ पहुंचाते हैं। इससे कार्बन का उत्सर्जन कम होता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि साइकिल चलाने में शरीर का ज्यादतर हिस्सा कार्य करता है। इसलिए लोगों को साइकिल अपनाना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य संपर्क अधिकारी व छत्तीसगढ़ शासन के पदेन उपसचिव समरेंद्र सिंह ने दो बिंदुओं पर अपने विचार रखा। उन्होंने कहा कि फिटनेस के प्रति जागरूकता होने से विविध प्रकार की समस्याओं से बचा जा सकता है।

इससे पहले अतिथियों के लिए स्वागत वक्तव्य नेहरू युवा केंद्र बिलासपुर के जिला युवा अधिकारी राहुल सैनी ने दिया। उन्होंने कार्यक्रम की रुपरेखा से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय लगातार लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक कर रहा है।

श्रम विभाग के कार्यालय में श्रमिकों की सुविधा के लिए हेल्पडेस्क संचालित

श्रीकंचपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे के मार्गदर्शन में श्रम विभाग के कार्यालय में श्रमिकों को सुविधा हेतु हेल्पडेस्क संचालित है। हेल्पडेस्क के माध्यम से श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाती है। श्रम पदाधिकारी संजय सिंह ने बताया कि हेल्पडेस्क में प्रतिदिन श्रमिकों को पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजनाओं की जानकारी दी जाती है। हेल्पडेस्क में अब तक कुल 722 श्रमिकों के आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया है। विगत दिनों कार्यालय पहुँचे ग्राम देउरतराई के श्रमिक रामगोपाल ठाकुर और ग्राम बैहाकुंआ के संतोष कुमार ने बताया कि उन्होंने हेल्पडेस्क के माध्यम से अपने आवेदन का निराकरण कराया। वे श्रम विभाग के कार्य से संतुष्ट हैं। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि योजना आवेदन पत्र के संबंध में किसी भी श्रमिक को विभाग से किसी प्रकार की समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, मुख्यमंत्री महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना इत्यादि विभिन्न योजनाओं के लाभ हेतु हितग्राही या उनके नामिनी द्वारा नजदीकी लोक सेवा केन्द्र से श्रम विभाग की वेबसाईट सीजीलेबर डॉट एनआईसी डॉट इन के माध्यम से नियमानुसार सीधे ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया जाता है, जिसका निराकरण कार्यालय द्वारा किया जाता है।

खास खबर

राजीव गांधी किसान न्याय योजनाः किसानों का रूझान जैविक खेती और फसल परिवर्तन के लिए बढ़ा

रायपुर। राजीव गांधी किसान न्याय योजना और राजीव गांधी गोधन न्याय योजना से न केवल गांव और किसानों की आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हुई है बल्कि उनका रूझान जैविक खेती और फसल परिवर्तन के लिए भी बढ़ा है। ग्राम तांदुल के किसान केशव लाल टंडन ने बताया कि वे 4 एकड़ जमीन में जैविक खेती करते हैं। राज्य सरकार जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है और इससे रसायनिक उर्वरकों के प्रति निर्भरता कम हो रही है। जैविक खेती से परिवार और बच्चों का स्वास्थ्य भी अच्छा होगा। राज्य सरकार द्वारा फसल परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रुपए की राशि दी जा रही है। सुगंधित धान के साथ तिल, मुंग, धनिया और चना जैसी फसल लेने वाले ग्राम पथरी के किसान श्याम बघेल ने कहा कि वे अपने 9 एकड़ के खेत में सुगंधित धान और फोर्टिफाइड चांवल का उत्पादन करते हैं और इसके लिए गोबर खाद् तथा वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करते है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से किसानों को ऐसे समय अतिक्ति राशि मिलती है जब उन्हें खेती- किसानी जैसे कार्यो के लिए राशि की काफी जरूरत होती है। ग्राम परसदा अभनपुर के किसान सीताराम साहू ने राजेंद्र कस्तूरी धान का उत्पादन किया। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए भूपेश सरकार का धन्यवाद किया। ग्राम कुर्रा के किसान अनिल नायक ने कहा कि फसल परिवर्तन कर मिट्टी की उर्वरता क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। इससे किसानों की आमदनी में भी वृद्धि होगी। मंदिरहसौद के किसान मोहन यादव ने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना से राज्य के छोटे - बड़े सभी किसान लाभान्वित हो रहे है और फल-फूल रहे है। इन योजना से उन्हें हाल ही में 24 हजार रूपये की सहायता राशि मिली है। इसके लिए वे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्य सरकार को धन्यवाद देते हैं। किसान सीताराम साहू ने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों खेती-किसानी के साथ-साथ जरूरत के कार्यो को करने, बच्चों की पढ़ाई- लिखाई और शादी करने में सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि 'भूपेश है तो भरोसा हैं।

रक्षामंत्री भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि के छात्रवृति के लिए किया जा सकता है ऑनलाइन आवेदन

रायपुर। रायपुर, धमतरी, महासमुन्द, बलौदाबाजार एवं गरियाबन्द जिले के सभी भूतपूर्व सैनिकों और विधवाओं को सूचित किया गया है कि रक्षामंत्री भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि से अपने बच्चों के छात्रवृति हेतु जो (क) कक्षा 01 ली से 09 वीं एवं 11 वीं, (ख) कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं, (ग) स्नातक कक्षाएं (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) उतीर्ण किये हैं, उनका ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, रायपुर के कैप्टन (सेवानिवृत) अनुराग तिवारी ने बताया कि केंद्रीय सैनिक बोर्ड के वेबसाइट www.ksb.gov.in में क्रंमाक (क) के लिए 15 सिंतबर 2022 तक, क्रमांक (ख) के लिए 15 अक्टूबर 2022 तक तथा क्रमांक (ग) के लिए 15 नवम्बर 2022 तक आवेदन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत (सबमिट) करने के पश्चात तुरंत रायपुर जिला सैनिक बोर्ड, रायपुर में अपलोड किये गये दस्तावेजों का सत्यापन करवायें एवं सभी दस्तवेजों को मूल प्रति के माध्यम से अपलोड करें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, रायपुर (छ.ग.) से कार्यालयीन समय में स्वयं आकर अथवा दूरभाष क्रमांक +91-0771-2237449 अथवा मोंबाइल +91-7646853020 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

भेंट-मुलाकात अभियान

दुग्ध उत्पादक अपनी समिति बना लें, संग्रहण केंद्र बनाकर खरीदी पर विचार करेगी सरकार

कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विधानसभा में गितपहर में मुख्यमंत्री ने लगाई चौपाल, हितग्राहियों ने बताया शासकीय योजनाओं से मिल रहा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दूध उत्पादन करने वाले किसान सामूहिक रूप से अपनी समिति बनाकर यह कार्य करें और समिति के माध्यम से अपना दूध एकत्रित करें तो संग्रहण केंद्रों के माध्यम से इसकी खरीदी की सुविधा दी जा सकती है भानुप्रतापपुर विधानसभा के गितपहर में आयोजित भेंट मुलाकात के दौरान चारामा के किसान भूषण साहू से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह बात कही। श्री भूषण ने मुख्यमंत्री से कहा मैं दूध का व्यवसाय करता हूँ। क्षेत्र में दूध खरीदी केंद्र होता और शासकीय दर पर खरीदी होती तो हमें और भी सुविधा होती। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समितियों के माध्यम से यदि यह पहल की जाए तो इसका परीक्षण कर संग्रहण केंद्र बनाने पर सरकार विचार कर सकती है ताकि संग्रहण केंद्रों के माध्यम से दूध खरीदी की जा सके। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गितपहर के किसानों को कहा कि समितियों के माध्यम से कार्य करना काफी उपयोगी होता है क्योंकि शासन की अनेक योजनाएं समितियों को बढ़ावा देने बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गितपहर में 5 करोड़ 19 लाख रुपए की लागत से 83 देवगुड़ियों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया। साथ ही उन्होंने शीतला माता की पूजा कर प्रदेश की सुख-शांति की कामना की।

महेश निषाद ने कहा कि 49 हजार रुपए का कर्ज माफ हुआ और राजीव गांधी किसान न्याय योजना की किश्त मिल गई। खेती अब मेरे लिए फायदे का सौदा बन गई है। अब मैं डबल फसल लेना लगा हूं। गितपहर में हितग्राही गिरधारी लाल ने बताया कि खेती कैसे करता, पट्टा नहीं था। वनाधिकार पट्टा मिला तो खेती करनी आरंभ कर दी। अब दो एकड़ में खेती कर रहा हूँ। राजीव गांधी न्याय योजना के माध्यम से फसल का अच्छा मूल्य मिल रहा है। मुख्यमंत्री जी, मेरे जीवन में आपकी वजह से खुशहाली आई है। संतोष देवेंद्र ने कहा कि मैं 14 एकड़ में खेती कर रहा हूँ। मेरा डेढ़ लाख रुपए का कर्ज माफ हुआ है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना की पहली किश्त में 26 हजार मिले हैं। मुख्यमंत्री जी, खेती मेरे लिए फिर से खुशहाली ले आई है।

दोनों हाथ से विकलांग भारती की मदद के निर्देश

भानुप्रतापपुर विधानसभा के गितपहर में भी हमेशा की तरह मुख्यमंत्री का संवेदनशील चेहरा दिखा। दोनों हाथ से दिव्यांग लड़की भारती ने कहा कि दिव्यांगता की वजह से काफी समस्या हो रही है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को मौके पर ही निर्देशित करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों की समस्याएं प्राथमिकता से हल की जाएं। दिव्यांगजनों को शासकीय सुविधाओं का नियमित लाभ मिल रहा है या नहीं, इसकी निरंतर मानिटरिंग की जाए।

गितपहर में की मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण घोषणा

मुख्यमंत्री ने गितपहर में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की। चारामा में आदिवासी समाज के लिए सामुदायिक भवन के निर्माण की घोषणा की। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा खोलने के निर्देश भी दिये, कलेक्टर इसके लिए स्थान चिन्हांकित करेंगे। इसके साथ ही बासनवाही और बारगरी में उपस्वास्थ्य केंद्र निर्माण की घोषणा भी की। भानुप्रतापपुर विधानसभा के सभी देवगुड़ी और घोटुल के प्रस्ताव स्वीकृत करने की घोषणा भी मुख्यमंत्री ने की।

ईश्वरी न बोलती न सुनती पर अपने हुनर से तैयार कर रही महुआ से स्वादिष्ट लड्डू

मुख्यमंत्री ने चखा महुआ लड्डू का स्वाद, समूह की प्रगति सुनकर मुख्यमंत्री ने की सराहना, दी बधाई

रायपुर। ईश्वरी अन्य महिलाओं की तरह सामान्य नहीं हैं, लेकिन कामयाबी हासिल करने में सामान्य महिलाओं से आगे है। भानबेड़ा की रहने वाली दिव्यांग ईश्वरी उइके जो न बोलती न सुनती पर अपने हुनर से महुआ से स्वादिष्ट महुआ लड्डू तैयार कर रही है। ईश्वरी बोल-सुन नही पाती और उनका पति को कम दिखाई पड़ता है जिसके कारण उन्हें अन्य कामों में दिक्कत होता था। वे खेती किसानी तथा वनोपज का संग्रहण करते थे लेकिम ईश्वरी उइके अब समूह में जुड़कर महुआ लड्डू बनाने का कार्य करती है।ईश्वरी उइके के साथ काम करने वाली महिलाओं ने बताया कि ईश्वरी बोल सुन नही पाती लेकिन बताने पर कामों को बहुत तेजी से सीख लेती है। महिलाओं ने बताया कि हम सभी मे ईश्वरी का काम बहुत तेज है। ईश्वरी काम करते करते दूसरों के कामों में भी ध्यान रखती है। लड्डू का साइज छोटा बड़ा होने पर वह डांटती भी है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भानुप्रतापपुर विधानसभा के ग्राम भानबेड़ा में दिशा महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित महुआ लड्डू निर्माण इकाई में पहुंचकर महुआ लड्डू निर्माण का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने समूह की महिलाओं से लड्डू बनाने की विधि, लगने वाले समय एवं खर्च की जानकारी ली। महिला समूह ने बताया कि महुआ लड्डू बहुत ही पोष्टिक एवं स्वादिष्ट है। हम मांग के अनुसार लड्डू तैयार करते हैं। तीज-त्योहार में लड्डू की मांग ज्यादा होती है, हमे प्रत्येक सदस्य को प्रतिमाह 10-12 हजार रुपये का आय होता है। इसके अलावा हम घर के अन्य काम भी कर लेते हैं। मुख्यमंत्री ने महिला समूह द्वारा बनाये लड्डू का स्वाद चखा और खूब तरक्की करने शुभकामनाएं दी। महिलो ने बताया कि लड्डू की मांग हमारे प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी है। वर्तमान में हमने तमिलनाडू के चेन्नई में भी 25 किलो लड्डू का विक्रय किया है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए बधाई दी। समूह की ममता जैन ने बताया कि उनके परिवार में पति और दो बच्चे हैं। महुआ लड्डू की इकाई से जुड़ने के बाद उन्हें अच्छी आय हो रही है। पिछली दीपावली में उसने पति बच्चों के लिए कपड़े खरीदे। वे बड़े खुश हुए। महिला समूह के सदस्यों ने बताया कि वे पहले महुआ बीनने का कार्य करते थे फिर वन विभाग के सहयोग से वर्ष 2020 में महुआ लड्डू बनाने का प्रशिक्षण लिया। समूह का गठन हुआ। समूह में 11 सदस्य हैं सीजन में करीब 6 लाख रुपए का लड्डू बेच लेते है। उन्हें करीब एक से डेढ़ लाख रुपये की आय हो रही है।

सीएम को भेंट की महुआ लड्डू एवं वनोपज से बने सामग्री

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भानुप्रतापपुर विधानसभा के ग्राम भानबेड़ा में दिशा महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित महुआ लड्डू निर्माण इकाई में पहुंचकर महुआ लड्डू निर्माण का अवलोकन किया। इस दौरान महिलाओं ने मुख्यमंत्री को महुआ लड्डू एवं वनोपज से बने सामग्री भेंट की।

महिला किसान सविता उईके के घर मुख्यमंत्री ने खाई करमत्ता-कोलियारी भाजी और जिमी कंद की सब्जी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने भानुप्रतापपुर विधानसभा प्रवास के दौरान दुर्गूकोंदल में महिला किसान सविता उईके के घर पहुँचे। उन्होंने श्रीमती सविता के घर जमीन पर बैठ कर भोजन किया।

सविता उईके ने मुख्यमंत्री को करमत्ता भाजी, कोलियारी भाजी, चेंच भाजी, रखिया बड़ी एवं आलू की सब्जी, जिमी कंद की सब्जी, उड़द-मूंग दाल, चांवल, रोटी, जिर्रा फूल की चटनी, आम चटनी एवं मड़िया पेज परोसा। इसके बाद खीर, छिन्द, जामुन और देशी आम का भी मुख्यमंत्री ने स्वाद लिया।

भोजन के बाद मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चो से पूछा कि वे स्कूल जाते है? तो बच्चो ने गर्व से बताया कि वे दोनो आपके द्वारा खोले गये स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पहली एवं चौथी कक्षा में पढ़ते हैं। मयंक पहली में और रिहान चौथी क्लास में है। जिस पर मुख्यमंत्री ने दोनो बच्चो को चॉकलेट एवं अन्य पुरस्कार दिये।

बच्चो की माता ने भी मुख्यमंत्री से कहा कि आपके द्वारा शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले जाने से ही यह संभव हो सका है कि हमारे जैसे कृषक परिवार के बच्चे भी अब अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ पा रहें है।

स्वाद और सेहत से भरपूर है फोर्टिफाईड चावल

रायपुर। वर्तमान की व्यस्त दिनचर्या में लोग दैनिक खान-पान में स्वाद के साथ स्वास्थ्यवर्धक भोजन को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय खाने में रोजमर्रा की पसंद चावल का अधिक गुणवत्ता और पौष्टिकता भरा विकल्प अब फोर्टिफाईड चावल के रूप में लोगों को मिला है। फोर्टिफाईड चावल स्वाद और सेहत से भरपूर होता है। ये चावल सामान्य चावल की तरह ही होता है लेकिन इसमें आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 और जिंक की प्रचुर मात्रा होने से यह अधिक पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक होता है।

फोर्टिफाईड चावल लोगों की खुराक में आवश्यक पौष्टिक तत्वों की पूर्ति के साथ ही कुपोषण के नियंत्रण में काफी हद तक मददगार होता है। इसमें उपस्थित आयरन खून की कमी को रोकता है, जिससे एनीमिया से बचाव होता है। फोलिक एसिड गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में भ्रूण विकास और रक्त निर्माण में सहायता करता है। इसी तरह विटामिन बी-12 शरीर में खून के निर्माण और नर्वस सिस्टम के सामान्य काम-काज में सहायक होता है। फोर्टिफाईड चावल की खूबियों और पौष्टिकता को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आकांक्षी और उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में वितरित किया जा रहा है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा मध्यान्ह भोजन तथा पूरक पोषण आहार योजना के तहत दिसम्बर 2021 से प्रदेश के सभी जिलों में फोर्टिफाईड चावल का वितरण किया जा रहा है। साथ ही मई 2022 से प्रदेश के 10 आकांक्षी जिले कोरबा, राजनांदगांव, महासमुंद, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, बस्तर, कोण्डागांव, सुकमा तथा 2 उच्च प्राथमिकता वाले जिले कबीरधाम और रायगढ़ सहित कुल 12 जिलों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशनकार्डधारी परिवारों को भी फोर्टिफाईड चावल दिया जा रहा है।

फोर्टिफाईड चावल आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी-12 युक्त होने के कारण यह सामान्य अरवा चावल से अलग दिखाई देता है।

साड़ियों की मॉडलिंग से फैमिली मैन तक, 60 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकीं प्रियामणि

आज साउथ फिल्मों की सुपरस्टार और द फैमिली मैन फेम प्रियामणि अपना 38वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। प्रियामणि साउथ फिल्म इंडस्ट्री में सुपरस्टार हैं, वहीं बॉलीवुड में भी खुद को स्थापित कर चुकी हैं। उन्होंने मनोज बाजपेयी के साथ वेब सीरीज द फैमिली मैन-1 और 2 में बेहतरीन अदाकारी की है। साथ ही वो वेब सीरीज हीज में भी नजर आई थीं।

प्रियामणि ने महज 18 साल की उम्र में ही 2003 में आई तेलुगु फिल्म एवारे अटागाडु से अपने करियर की शुरुआत की थी। जिसके बाद उन्होंने अबतक 61 फिल्मों में काम किया है। प्रियामणि स्कूलिंग के दौरान सिल्क साड़ियों के लिए मॉडलिंग करने लगी थीं। वो बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन की कजिन हैं लेकिन विद्या और प्रिया की फैमिली टच में नहीं रहती, जिस वजह से कभी दोनों की मुलाकात नहीं हुई। प्रियामणि को बेहतरीन एक्टिंग के लिए 2006 में बेस्ट एक्ट्रेस के नेशनल अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है।

स्कूलिंग के दौरान ही की मॉडलिंग

प्रियामणि का जन्म 4 जून 1984 को बैंगलोर में एक तमिल फैमिली में हुआ था। उनके पिता वासुदेव का प्लान्टेशन का बिजनेस है और उनकी मां लथामणि लेयर बैडमिंटन नेशनल प्लेयर रह चुकी हैं। प्रियामणि ने स्कूलिंग के दौरान ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी, वो सिल्क साड़ियों के लिए मॉडलिंग करती थीं। जिसके बाद 12वीं की पढ़ाई के दौरान तमिल डायरेक्टर भारती राजा ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में लाने के लिए लोगों से मिलवाना शुरू कर दिया था।

18 साल की उम्र में की पहली फिल्म

प्रियामणि का फिल्मी करियर 18 साल की उम्र में शुरू हो गया था। उनकी पहली फिल्म 'इवारे अटागाडू' थी, ये एक तमिल फिल्म थी जो कुछ खास कमाल नहीं कर पाई, लेकिन इसमें प्रियामणि की परफॉर्मेंस ने लोगों का दिल जीता। जिसके बाद उन्होंने मलयालम फिल्म 'सत्यम' की, पर ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। इसके बाद उन्हें तमिल फिल्म 'अधु ओरू काना कालम' में साइन किया गया। इस फिल्म में प्रियामणि के अपोजिट धनुष थे। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल तो नहीं कर पाई, लेकिन फिल्म की क्रिटिक्स ने जमकर तारीफ की। जिसके बाद साउथ फिल्म इंडस्ट्री में प्रियामणि को काम मिलना शुरू हो गया।

चेन्नई एक्सप्रेस में प्रियामणि का आइटम सॉन्ग

प्रियामणि ने 2013 में आई फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस में शाहरुख खान के साथ आइटम डांस किया था। वो डांस नंबर वन-टू-थ्री-फोर में नजर आई थीं, जो काफी पॉपुलर हुआ था।

61 फिल्मों में किया काम

प्रियामणि ने अब तक 61 फिल्मों में काम किया है साथ ही इस साल वो 7 फिल्मों में काम कर रही हैं। उनके एक्टिंग करियर में उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। प्रियामणि ने वेब सीरीज द फैमिली मैन-1 और 2 में भी काम किया है जिसमें मनोज बाजपेयी के साथ उनकी एक्टिंग ने भी तारीफें बटोरी थीं। साथ ही वो बेव सीरीज 'हीज' में भी नजर आईं। जो लोगों को काफी पसंद आई।

मुस्तफा से की लव मैरिज

प्रियामणि अपनी पर्सनल लाइफ को सोशल मीडिया से दूर ही रखती हैं। मगर इसका मतलब ये नहीं कि उनकी लाइफ इंटरेस्टिंग नहीं है। प्रियामणि और उनके पति मुस्तफा की मुलाकात एक इवेंट के दौरान हुई थी और इसी दौरान दोनों एक-दूजे को दिल दे बैठे। दोनों ने एक-दूसरे को पांच सालों तक डेट किया जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली। प्रियामणि अपनी सफलता का क्रेडिट अपने पति को देती हैं।

रियलिटी शो में एक्टिव

प्रियामणि रियलिटी शोज में भी काफी एक्टिव रहती हैं। उन्हें जज के तौर पर साउथ के डांस शोज में देखा जा सकता है। वो डी-4 डांस, डांसिंग स्टार, किंग ऑफ डांस जैसे रियलिटी शोज में सक्रिय रहती हैं। उन्होंने शार्ट फिल्म हेड ऑफ गॉड और व्हाइट जैसी शार्ट फिल्में भी की हैं।

2006 में मिला नेशनल अवॉर्ड

प्रियामणि को फिल्म 'पारुथिवीरण' में उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के नेशनल अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। ये अवॉर्ड उन्हें 2006 में दिया गया था।

शाहरुख खान के नाम होगा साल 2023, एक-दो नहीं रिलीज होंगी ये धमाकेदार फिल्में

बॉलीवुड इंडस्ट्री के 'किंग' शाहरुख खान चार साल से सिनेमा से दूर हैं। वह आखिरी बार साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'जीरो' में नजर आए थे। फिल्म फ्लॉप रही और शाहरुख खान को भी आलोचना का सामना करना पड़ा। लेकिन अब शाहरुख खान शानदार वापसी करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता एक साथ कई बड़ी फिल्मों में नजर आएंगे, जिसका एलान हो चुका है। इतना ही नहीं, शाहरुख खान कई बड़ी फिल्मों में कैमियो रोल करने वाले हैं। आइए आपको अभिनेता की अपकमिंग फिल्मों की पूरी लिस्ट दिखाते हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि कौन की फिल्म कब रिलीज हो रही है।

रॉकेट्री द नांबी इफेक्ट

'रॉकेट्री द नांबी इफेक्ट' आर माधवन की फिल्म है, जो 1 जुलाई को रिलीज हो रही है। फिल्म इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और एयरोस्पेस इंजीनियर, भारतीय वैज्ञानिक नंबी नारायणन के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म में शाहरुख खान का गेस्ट अपीरियंस है। इनके अलावा फिल्म में सिमरन, रजित कपूर, रवि राघवेंद्र, मिशा घोषाल, गुलशन ग्रोवर, कार्तिक फिल्म और दिनेश प्रभाकर का नाम शामिल है।

ब्रह्मास्त्र

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर सामने आया, जिसके बाद दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान भी इस फिल्म में नजर आएंगे। इतना ही नहीं, गूगल पर भी 'ब्रह्मास्त्र' की कास्ट लिस्ट में शाहरुख खान का नाम लिखा आ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस लिस्ट में शाहरुख खान एक साइंटिस्ट की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म 9 सितंबर को रिलीज हो रही है।

पठान

'पठान' एक्शन-स्पाई थ्रिलर फिल्म है, जिसके जरिए ही अभिनेता सिनेमाघरों में ग्रैंड एंट्री करने वाले हैं। यह फिल्म 25 जनवरी 2023 को थिएटर में रिलीज होगी, जिसमें शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद हैं।

जवान

अगले साल ही शाहरुख खान की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जवान' सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसका टीजर सामने आ गया है। इस फिल्म में अभिनेता का लुक काफी खौफनाक होने वाला है, जिसकी झलक फैंस टीजर में देख चुके हैं। तमिल डायरेक्ट एटली कुमार के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ नयनतारा होंगी। फिल्म हिंदी के साथ ही कन्नड़, तमिल, तेलुगू के साथ ही मलयालम भाषा में 2 जून 2023 को रिलीज होगी।

डंकी

साल 2023 का अंत भी शाहरुख खान की फिल्म के साथ होगा। फिल्म 'डंकी' अगले साल 22 दिसंबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार हिरानी कर रहे हैं, जिसमें शाहरुख खान के साथ तापसी पन्नू स्क्रीन शेयर करती हुई दिखाई देंगी। इसके अलावा, फिल्म में विक्की कौशल भी हैं, जो शाहरुख के बेस्ट फ्रेंड के किरदार में नजर आएंगे।

टाइगर 3

सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म 'टाइगर' के तीसरे पार्ट का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसका निर्दशक मनीष शर्मा हैं। इस फिल्म में सलमान और कटरीना के जबरदस्त एक्शन तो होगा ही। साथ ही फिल्म में शाहरुख खान भी नजर आएंगे। किंग खान का फिल्म मे कैमियो है।

अनुषा दांडेकर बनी बेटी सहारा की मां सोशल मीडिया के जरिए दी जानकारी

वीजे और मॉडल अनुषा दांडेकर ने अपने फैंस को गुड न्यूज दी है। अनुषा ने सोशल मीडिया के जरिए कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो न्यू बॉर्न बेबी के साथ खेलती हुई नजर आ रही हैं। अनुषा ने अपने पोस्ट के जरिए बताया है कि वो एक नन्हीं परी की मां बन गई हैं। साथ ही उन्होंने अपनी बेटी के नाम का खुलासा भी किया है।

अनुषा ने लिखा प्यार भरा कैप्शन

अनुषा ने बेटी के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, फाइनली मेरे पास मेरी छोटी सी बेटी है, जिसे मैं अपना कह सकती हूं। मैं आप सबको अपनी एंजल 'सहारा' से मिलवा रही हूं, जो मेरी जिंदगी का प्यार है। मैं तुम्हारा पूरा-पूरा ध्यान रखूंगी, तुम्हें थोड़ा बिगाड़ूंगी और हमेशा तुम्हें हर मुसीबत से प्रोटेक्ट करूंगी। मेरी बेबी गर्ल मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं..तुम्हारी मम्मी।

फैंस दे रहे हैं अनुषा को बधाई

फैंस से लेकर सेलेब्स तक अनुषा को बधाई दे रहे हैं। अनुषा के पोस्ट पर जहां एक फैन ने लिखा, 'यह सुनकर बहुत खुशी हुई।' वहीं दूसरे फैन ने लिखा, 'बहुत क्यूट। आपकी छोटी प्रिंसेस को प्यार और आशीर्वाद।'

करण कुंद्रा के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी हैं अनुषा

अनुषा की बात करें तो वो करण कुंद्रा के साथ अपनी लव लाइफ और ब्रेकअप को लेकर भी चर्चा में रही हैं। हालांकि पिछले साल ही दोनों ने अपना ब्रेकअप अनाउंस कर दिया था। वहीं अनुषा के सोशल मीडिया पोस्ट से भी दोनों के अलग होने का हिंट मिला था।

मोहन भागवत की खरी-खरी: फिल्म सम्राट पृथ्वीराज देखने के बाद बोले- हमने दूसरों का लिखा इतिहास पढ़ा, अब अपनी नजर से समझ रहे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को दिल्ली में अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज देखी। फिल्म देखने के बाद उन्होंने इसकी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा- यह तथ्यों पर आधारित फिल्म है। ये जो संदेश देती है, उसकी आज देश को जरूरत है। अब तक हम दूसरों का लिखा हुआ इतिहास पढ़ते आए थे। अब हम भारतीय नजरिये से अपने इतिहास की तरफ देख रहे हैं।

भागवत ने कहा- पृथ्वीराज चौहान, मोहम्मद गोरी, मत चूको चौहान यह सब हम पहले भी पढ़ चुके हैं, लेकिन ये सब किसी और ने लिखा था। भारत की भाषा में भारत में लिखा हुआ, जो चित्रित किया गया है, वो आज हमने पहली बार हम देख रहे हैं।

भागवत ने कहा कि हमारे इतिहास को हम अपनी नजर से अपने हृदय से समझ रहे हैं। इसे समझने का मौका देशवासियों को मिलेगा तो निश्चित ही इसका परिणाम देश के भविष्य के लिए अच्छा होगा। भारतवासी सब एक होकर भारत के सम्मान की रक्षा करने में उस प्रकार से पराक्रमी होंगे, जिस प्रकार से पराक्रमी लोगों को इस फिल्म में दिखाया गया है।

अमित शाह ने भी की है फिल्म की तारीफ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी नई दिल्ली में बुधवार शाम फिल्म सम्राट पृथ्वीराज देखी थी। शाह ने फिल्म और कलाकारों की खूब तारीफ की थी। उन्होंने कहा था- इतिहास के एक छात्र के रूप में इस फिल्म का आनंद लिया, जिसमें भारत के सांस्कृतिक युद्धों को दर्शाया गया है। 13 साल बाद अपने परिवार के साथ थिएटर में फिल्म देख रहे थे।

योगी ने पूरे कैबिनेट के साथ देखी फिल्म

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ गुरुवार को सम्राट पृथ्वीराज फिल्म देखी। लखनऊ के लोक भवन में इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई थी। फिल्म देखने बाद योगी आदित्यनाथ ने इसे यूपी में ट्रैक्स फ्री करने की घोषणा की थी।

अखिलेश बोले- इतिहास के आटे से वर्तमान की रोटी नहीं बन सकती

योगी सरकार के मूवी स्क्रीनिंग में शामिल होने पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा था। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कहा था- ऐतिहासिक फिल्म देखने के बाद कैबिनेट से आग्रह है कि यूपी की वर्तमान हालत भी देखें। इतिहास के आटे से वर्तमान की रोटी नहीं बन सकती।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए ग्रामीण स्तर पर राजस्व शिविर का आयोजन

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार के निर्देश पर जिले में राजस्व प्रकरणों का निराकरण ग्रामीण स्तर पर शिविर लगाकर विगत् 17 मई से किया जा रहा है।राजस्व प्रकरण जैसे नामांतरण,खाता विभाजन,सीमांकन,व्यपवर्तन,नया किसान किताब जारी एवं अध्धतन करने,अस्थाई जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाने,विलंबित जन्म प्रमाण पत्र की अनुमति आदि संबंधित प्रकरणों के निराकरण तथा राशनकार्ड जारी करने हेतु जिले के सभी तहसीलों में ग्रामवार राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 6 जून को रायपुर तहसील के ग्राम कुम्हारी, मंगसा और टेमरी, तिल्दा तहसील के ग्राम तुलसी और तिल्दा, आरंग तहसील के ग्राम परसकोल, नरदहा और फरफैद, अभनपुर तहसील के ग्राम खिलोरा और बेन्द्री, गोबरा नवापारा तहसील के ग्राम टीला और चिपरीडीह, खरोरा तहसील के ग्राम असौंदा और खरोरा में राजस्व शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त शिविर में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व),संबंधित तहसीलदार,नायब तहसीलदार,राजस्व निरीक्षक,हल्का पटवारी,पंचायत सचिव,खाद्य निरीक्षक तथा जनपद पंचायतों में पदस्थ राशनकार्ड के प्रभारी को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है।

शासन की सुराजी गांव योजना से उम्मीदें हुई रोशन

राजनांदगांव। शासन की सुराजी गांव योजना से उम्मीदें रोशन हुई हैं। महिलाओं की सहभागिता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बिरेझर के जय मां दुर्गा स्वसहायता समूह की श्रीमती हेमा साहू ने 63 लाख रूपए के सीमेंट पोल एवं फेसिंग तार का विक्रय किया है। जिससे 11 लाख रूपए का शुद्ध मुनाफा हुआ है। श्रीमती हेमा ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। पति का हाथ बटांने के लिए ऋण लेकर सीमेंट पोल निर्माण एवं फेंसिंग तार का निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। उसके बाद वे किसानों, गौठानों, उद्यानिकी, वन विभाग में सीमेंट पोल एवं फेंसिंग तार का विक्रय करने से आमदनी में बढ़ोतरी हुई। श्रीमती हेमा ने बताया कि नवागांव डोम में आजीविका गतिविधि के संबंध में चर्चा हुई। बिहान से जुडने़ के बाद बहुत फायदा हुआ।

देश के समान व स्वाभिमान के प्रतीक हैं महाराणा प्रताप - डॉ. एस. एन. सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 482 वीं जयंती समरसता दिवस के रूप में मनाई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को नमन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत किए सेल के सेवानिवृत्त अधिशासी निर्देशक डॉ एस एन सिंह ने महाराणा प्रताप जयंती पर उन्हें भावपूर्ण याद किया और कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अनेकों कठिनाइयां सही, लेकिन देश के महान स्वाभिमान और सम्मान को ठेस नहीं पहुंचने दिया। ऐसे महान राष्ट्रभक्त के आदर्शों से सदैव ही राजपूत समाज के साथ पूरे देश को मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा।उन्होने कहा कि हमे अपने आने वाली पीढी को भी अपने इतिहास से परिचित कराना आवश्यक हो गया है इतिहास से हो रही छेड़छाड़ पर भी आपत्ति जताई।

समारोह के विशिष्ट अतिथि बिलासपुर छत्तीसगढ से पधारे राष्ट्रीय भावधारा के प्रख्यात साहित्यकार राष्ट्रकवि डॉ बृजेश सिंह ने अपने उद्बोधन में निर्दिष्ट किया कि महाराणा प्रताप भारतीय अस्मिता के प्रतीक हैं तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आदर्श रहे हैं। महाराणा प्रताप का सर्व वर्ग से समन्वय का सबसे बड़ा प्रमाण है कि समाज के प्राय: सभी वर्गों ने युद्ध में उनका साथ दिया था। बप्पा रावल से लेकर प्रताप तक राष्ट्र के लिए मेवाड़ की सुदीर्घ बलिदानी परम्परा सतत गतिमान रही है। इस दौरान डॉ बृजेश सिंह ने अपने आहुति महाकाव्य से राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत काव्य प्रस्तुति देकर रोमांचित कर दिया। इस अवसर पर डॉ बृजेश सिंह ने अपनी पचास से अधिक पुस्तकें समाज के वाचनालय के लिए भेंट किया।

समारोह को संबोधित करते हुए कौशलेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन मे कहा कि महाराणा प्रताप उदयपुर, मेवाड में सिसोदिया राजपूत राजवंश के राजा थे। उनका नाम इतिहास में वीरता, शौर्य, त्याग, पराक्रम और दृढ प्रण के लिये अमर है। उन्होंने मुगल बादशहा अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की और कई सालों तक संघर्ष किया। महाराणा प्रताप सिंह ने मुगलों को कई बार युद्ध में भी हराया और हिंदुस्थान के पुरे मुगल साम्राज्य को घुटनो पर ला दिया। महाराणा प्रताप सभी जाति बिरादरी को साथ लेकर अकबर के खिलाफलड़े, इतिहास पुरूष किसी एक जाति के नहीं होते वह सभी जाति के होते हैंकहा कि क्षत्रिय सभी समाजों को साथ लेकर चलने वाला होता है।

समारोह को सभा के अध्यक्ष दिग्विजय बहादुर सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष बद्री विशाल सिंह श्रीमती कल्पना भदौरिया ने भी संबोधित करते हुए महाराणा प्रताप के जीवन शैली पर प्रकाश डाला। समारोह मे श्रीमती माला सिंह ने वीर रस कविता सुनाई। इस अवसर पर श्रीमती गीता सिंह ने दीप प्रज्वलन के दौरान वंदना व देशभक्ति गीत का पठन किया ।क्षत्रिय कल्याण सभा द्वारा आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम बहुत ही भव्य था। कार्यक्रम की भव्यता, समारोह का सभा के संगठन मंत्री गजेन्द्र प्रताप सिंह का अनुशासित संचालन और स्थानीय क्षत्रियो व आयोजकों का अतिथि सत्कार वंदनीय था। समारोह के अंत मे आभार प्रदर्शन राणा अशोक कुमार सिंह ने किया।

केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने विश्व साइकिल दिवस पर देशव्यापी कार्यक्रम का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली(पीआईबी)। केन्द्रीय युवा कार्य तथा खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू, केन्द्रीय स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याणमंत्री मनसुख मांडविया, विदेश और संस्कृति राज्यमंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी की उपस्थिति में देशव्यापी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और संसद सदस्य डॉक्टर हर्षवर्धन, संसद सदस्य मनोज तिवारी, सांसद रमेश बिधूड़ी, युवा कार्य विभाग के सचिव संजय कुमार, खेल सचिव श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी तथा मंत्रालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अनुराग सिंह ठाकुर ने दिल्ली में आयोजित साइकिल रैली का नेतृत्व किया। यह रैली ध्यानचंद स्टेडियम से प्रारंभ हुई। उनके साथ अनेक मंत्री और संसद सदस्य रैली में शामिल हुए। दिल्ली में 7.5 किलोमीटर की रैली में 1500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त एनवाईकेएस ने 75 प्रतिष्ठित स्थानों सहित 35 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियों में 100 से अधिक जगहों पर साइकिल रैली आयोजित की। इस दौरान प्रत्येक रैली में 75 प्रतिभागियों ने 7.5 किलोमीटर की दूरी तय की।

साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना करने से पहले अनुराग सिंह ठाकुर ने समारोह को संबोधित किया और कहा कि भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है।

युवा कार्य और खेल मंत्रालय ने भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में भारत के प्रवेश करने पर 'हेल्दी इंडिया' को प्रोत्साहित करने के संकल्प के साथ पूरे देश में साइकिल रैलियां आयोजित करने का अनूठा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहने के लिए अपने दैनिक जीवन में साइकिल चलाने की आदत को शामिल करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

ठाकुर ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मानते हैं कि देश के लोगों को फिटनेस अभियान में शामिल होना चाहिए। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हम यह स्पष्ट संदेश दे रहे हैं प्रत्येक व्यक्ति साइकिल चालन को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। साइकिल चालन आपको स्वस्थ रखेगा और स्वच्छ भारत बनाने में मदद देगा।

ठाकुर ने कहा कि साइकिल चलाकर फिट इंडिया मूवमेंट, खेलो इंडिया मूवमेंट, क्लीन इंडिया मूवमेंट तथा हेल्दी इंडिया मूवमेंट सभी को पूरा किया जा सकता है। इससे प्रदूषण स्तर को कम किया जा सकता है। साइकिल का उपयोग करके न केवल हम अपने को स्वस्थ्य रखते हैं बल्कि फिट इंडिया का संदेश भी देते हैं। मनसुख मांडविया, किरेन रिजिजू का उदाहरण देते हुए ठाकुर ने बताया कि इन मंत्रियों ने हमेशा साइकिल को यातायात के साधन के रूप में इस्तेमाल कर इसे प्रोत्साहित किया है और दूसरों को प्रेरित किया है।

युवा कार्य तथा खेल मंत्रालय ने आजादी का अमृत महोत्सव इंडिया ञ75 समारोह के भाग के रूप में आज पूरे देश में विश्व साइकिल दिवस का आयोजन किया है। 12 मार्च 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव की पूर्व भूमिका के दौरान भारत के प्रधानमंत्री के उद्घाटन भाषण से प्रेरणा लेते हुए युवा कार्य तथा खेल मंत्रालय ने कार्रवाई और संकल्प ञ75 के स्तंभ के अंतर्गत आजादी का अमृत महोत्सव मनाने की अवधारणा विकसित की है।

आंगनबाड़ी केंद्र में साकार हो रही सर्वधर्म समभाव की भावना : निर्मल कोसरे

बाल भोज कार्यक्रम में शामिल हुए महापौर

सुपोषण मित्र शांतियल का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई-3। महापौर निर्मल कोसरे ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में सर्वधर्म समभाव की भावना साकार हो रही है। इन केन्द्रों में अलग अलग धर्म और जाति के छोटे छोटे बच्चे एक साथ बैठकर प्रारंभिक शिक्षा के साथ ही भोजन ग्रहण करते हैं। ऐसे जगह में आकर बच्चों के साथ बैठकर भोजन करने से उन्हें जो आनंद की अनुभूति हुई उसे शब्दों में बखान नहीं किया जा सकता है।

यह बातें महापौर निर्मल कोसरे ने भिलाई - चरोदा नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 13 गांधी नगर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक -2 में आयोजित बालभोज कार्यक्रम में कही। श्री कोसरे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

अध्यक्षता एमआईसी में महिला एवं बाल विकास विभाग प्रभारी श्रीमती दीप्ति आशीष वर्मा ने की। विशेष अतिथि के रूप में वार्ड 13 की पार्षद श्रीमती शारदा मदनकर, एमआईसी सदस्य एस. वेंकट रमना, पार्षद टेनेन्द्र ठाकरे, पूर्व पार्षद लावेश मदनकर, आशीष वर्मा, सुपोषण मित्र शांतियल कंवर एवं मसीही समाज के गणमान्य नागरिक श्रीनिवास राव उपस्थित थे। बालभोज कार्यक्रम का आयोजन गांधी नगर आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक- 2 के सुपोषण मित्र शांतियल कंवर द्वारा किया गया। श्री कंवर समय समय पर कुपोषण का दंश झेल रहे बच्चों को मौसमी फ्ल व सूखे मेवे प्रदान करते हैं। इसके लिए महापौर श्री कोसरे ने महिला एवं बाल विकास विभाग की स्थानीय पर्यवेक्षक श्रीमती शशि मानिकपुरी द्वारा प्रदत्त शाल, श्रीफ्ल व डायरी से उनका सम्मान किया। कार्यक्रम को श्रीमती दीप्ति आशीष वर्मा व लावेश मदनकर ने भी संबोधित किया। महापौर सहित सभी अतिथियों ने मंचीय कार्यक्रम उपरांत बच्चों के साथ भोजन ग्रहण किया। महापौर सहित सभी अतिथियों के लिए छत्तीसगढ़ी संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बोरे बासी का भी इंतजाम किया गया था। प्रारंभ में पर्यवेक्षक श्रीमती शशि मानिकपुरी के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ममता देशमुख, रामेश्वरी यादव, रुपकुमारी सरसिंहा, ज्योति राउत, सहायिका पिंकी साहू, गौरी शिखा, गीता गजभिए व अल्पना सिंगारे ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ, श्रीफ्ल, डायरी व पेन भेंटकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद डी. के. साहू व आभार प्रदर्शन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ममता देशमुख ने किया।

मलेरिया से बचाव के लिए घरों में किया जा रहा दवा का छिड़काव, 730 टीमें कर रही मलेरिया की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के तहत डेंगू, मलेरिया व अन्य संक्रामक रोगों से बचाव के लिए लगातार वार्ड व बस्तियों में कार्रवाई करते हुए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। मलेरिया-प्रभावित क्षेत्रों में अक्सर घरों की दीवारों पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जाता है।

ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि अनेक प्रजातियों के मच्छर मनुष्य का खून चूसने के बाद दीवार पर बैठ जाया करते हैं। ऐसे में समय-समय पर दीवारों पर कीटनाशकों का छिड़काव कर दिया जाए तो दीवार पर बैठने वाले मच्छर स्वत: ही मर जाते है। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के प्रारंभ से अर्थात 17 मई से अब तक जिले के 39,392 कमरों में कीटनाशक दवा का छिड़काव

किया जा चुका है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सी.बी.पी.बंसोड़ ने बताया, जून में मच्छर का प्रजनन अधिक होता है एवं वयस्क मच्छर लगभग 1 माह तक जीवित रहते हैं। वर्षा के तत्काल बाद से डेंगू, मलेरिया व अन्य संक्रामक बीमारियों के उत्पन्न होने व फैलने की संभावनाएं बन जाती हैं, आबादी क्षेत्र में मच्छरों का घनत्व जितना कम होगा उतना ही लोग मलेरिया से सुरक्षित होंगे। इसके चलते ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को नष्ट कराया जा रहा है। एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फागिंग भी हो रहा है। जिले के वार्ड, बस्तियों, आवासीय व व्यवसायिक क्षेत्रों सहित अन्य आवश्यकतानुसार स्थानों में लगातार कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किये जा रहें हैं। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करके मलेरिया पर नियंत्रण पाया जा सकता है। स्थिर पानी में मच्छर अपना प्रजनन करते हैं, ऐसे स्थिर पानी की जगहों को ढक कर रखना, सुखा देना या बहा देना चाहिये या पानी की सतह पर तेल डाल देना चाहिये, जिससे मच्छरों के लार्वा नष्ट हो जायें।

आगे उन्होंने बताया, 17 मई से 16 जून तक मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ सह सघन टीबी ,मोतियाबिंद, स्केबीज जांच उपचार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में कुल 413 ग्रामों के 2.79 लाख लोगों की जांच की जानी है। अभियान के प्रारंभ से अबतक 1.40 लाख व्यक्तियों के रक्त की जांच की गई, जिसमें केवल 256 मलेरिया पाज़िटिव पाए गए। इसके अतिरिक्त टीबी के रोगों लक्षण पाए गए सर्वे में संभावित रोगियों की संख्या 189 है,वहीं 554 लोगों की पहचान की गई है जिन्हें आंखों से कम दिखाई देता है। इस कार्य में 730 टीम घर-घर जाकर लोगों की जांच कर रहे है।

कलेक्टर ने दिव्यांग छात्रा हिमांशी को प्रदान किया श्रवण यंत्र और टेबलेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने संयुक्त जिला कार्यालय में गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम भिलाई की दिव्यांग छात्रा हिमांशी साहू को श्रवण यंत्र और टेबलेट प्रदान कर लाभान्वित किया। दिव्यांग हिमांशी ने पूर्व में आवेदन सौंपकर बताया था कि वह मुखबधिर है, उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। वह मार्च 2020 में कक्षा दसवीं उत्तीर्ण की है तथा आगे की पढ़ाई कोविड-19(कोरोना) के कारण नहीं कर पायी, जिससे आगे पढ़ाई करने में समस्या आ रही है। दिव्यांग हिमांशी ने श्रवण यंत्र और पढ़ाई हेतु टैबलेट की मॉग की थी। कलेक्टर महोबे ने दिव्यांग हिमांशी को आज समाज कल्याण विभाग की योजना सामर्थ्य विकास के तहत श्रवण यंत्र और मिशन गूँज के तहत् टेबलेट प्रदान कर लाभान्वित किया। श्रवण यंत्र और

टैबलेट प्राप्त कर दिव्यांग हिमांशी ने प्रसन्नतापूर्वक बताया कि वह आगे की पढ़ाई करना चाहती है और डॉक्टर बनकर लोगो की सेवा करना चाहती है। कलेक्टर ने बताया कि दिव्यांग हिमांशी के आगे की पढ़ाई हेतु उसका प्रवेश मूक एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय मठमुरैना रायपुर में कक्षा 11वीं में कर दिया गया है। उसके भविष्य के शिक्षण हेतु शासन द्वारा सम्पूर्ण व्यय किया जाएगा। कलेक्टर महोबे ने जिले में आगे की पढ़ाई करने के इच्छुक दिव्यांग छात्र-छात्राओं से कहा है कि शासन-प्रशासन द्वारा उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी।

खास-खबर

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (ए)। बाजार चारभाठा चौकी क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। थाने में शिकायत के 4 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। मामले में धारा 354, पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत आरोपी को कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी घनश्याम उर्फ बैगा पिता राजू कौशिक (25) ग्राम हथलेवा का रहने वाला है। शुक्रवार सुबह पीड़ित लड़की घर के पीछे बाड़ी में बने बाथरूम में शौच के लिए जा रही थी। तभी आरोपी ने बदनीयत के चलते उसका रास्ता रोका। हाथ व बांह को पकड़ कर छेड़छाड़ किया। लड़की के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग निकला। पीड़ित परिजन की शिकायत पर चारभाठा चौकी पुलिस ने तुरंत दो अलग-अलग टीम बनाई। गांव में पतासाजी करने आरोपी गांव में ही घूमते हुए पकड़ाया।

क्रेडिट कार्ड एक्टीवेट कराने के नाम पर ठगी

रायपुर (ए)। अभनपुर थाना क्षेत्र में एक दुकान संचालक ठगी का शिकार हो गया। ठग ने क्रेडिट कार्ड एक्टिव करवाने के नाम पर ठगी की। पुलिस ने अज्ञात फोन धारके के खिलाफ अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रार्थी ऋषि गुप्ता की अभनपुर बस स्टैंड के पास कास्मेटिक की दुकान है। नौ मई को उसके नंबर में फोन आया। फोन धारक ने अपना नाम जयकिशन बताया। खुद को बैंक का कर्मचारी होना बताकर बात की। उसने कहा कि क्रेडिट कार्ड होल्ड हो गया है, जिसे करें एक्टीवेट करना होगा। क्रेडिट कार्ड में कार्ड प्रोडक्शन प्लान एक्टिव करना होगा नहीं तो कार्ड बंद हो जाएगा। ठग के जाल में ऋषि गुप्ता फंसते चले गए। और उसके द्वारा बताई प्रक्रिया को पूरी करता गया। उसके बाद उसके पास ओटीपी आया जिसे उसके दे दिया। इसके बाद दो मई को मैसेज आया कि कार्ड से 71 हजार 50 रुपये कट गए।

बगल के कमरे में सो रहा था किसान, चोरों ने ताला तोड़कर नकदी और जेवर किया पार

बिलासपुर (ए)। बेलगहना क्षेत्र के ग्राम उपका में चोरों ने किसान के घर का ताला तोड़कर 45 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। इस बीच किसान परिवार के साथ बगल के ही कमरे में सो रहा था। उसे चोरी की भनक तक नहीं लग सकी। सुबह जब वे जागे तो चोरी की जानकारी हुई। उन्होंने इसकी शिकायत बेलगहना चौकी में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। बेलगहना क्षेत्र के ग्राम उपका में रहने वाले दौलतराम यादव किसान हैं। इसके साथ ही वे गांव में कियोस्क बैंक चलाते हैं। वे 30 मई की रात खाना खाकर अपने कमर में सोने चले गए। मंगलवार की सुबह जागे तो बगल के कमरे का ताला टूटा था। कमरे में रखी पेटी का ताला तोड़कर चोरों ने 45 हजार रुपये, सोने का टाप्स, चांदी की चेन, कांसे की थाली और लोटा, एक मोबाइल और चांदी की मूर्ति पार कर दी थी। किसान ने इसकी शिकायत बेलगहना चौकी में की। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है।

भिलाई में हादसा, छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार घायल

उर्वशी साहू की कार को टक्कर मारने के बाद ट्रक में लगी आग, चालक की हालत गंभीर

भिलाई। भिलाई तीन थाना अंतर्गत औंधी ग्राम में कार और कैप्सूल ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कार के परखच्चे उड़ गए और कैप्सूल ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे उसमें आग लग गई। वहीं कार में सवार छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार और दुर्ग नगर निगम की स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर उर्वशी साहू और उनका ड्राइवर बुरी तरह घायल हो गए। घटना की जानकारी लगते ही तत्काल दमकल वहां पहुंची और कैप्सूल वाहन की आग को बुझाया गया। वहीं भिलाई तीन पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

एएसपी विश्वास चंद्राकर ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार शाम को औंधी गांव में हुई है। लोक कलाकार उर्वशी साहू अपनी इनोवा कार में रायपुर से भिलाई आ रही थीं। वहीं दूसरी ओर तेज रफ्तार कैप्सूल ट्रक रायपुर की ओर जा रहा था। ट्रक काफी तेज रफ्तार में था। इससे वह औंधी गांव में अचानक सामने आई कार को देखकर संभल नहीं पाया और ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी की कार सड़क के नीचे गड्ढे में उतर गई और ट्रक पलट गया। ट्रक पलटते उसमे आग लग गई। आग इतनी तेज थी ट्रक पूरी तरह से जल गया। सूचना मिलते ही वहां फायर ब्रिगेड पहुंची और घंटों मशक्कत के बाद आग को बुझाया जा सका। इस दुर्घटना में फिलहाल कोई जन हानि नहीं हुई है। मामले की जांच भिलाई 3 पुलिस कर रही है।

उर्वशी साहू ठीक ड्राइवर की हालत गंभीर

सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार और दुर्ग नगर निगम में स्वच्छता की ब्रांड एंबेसडर उर्वशी साहू और उनके ड्राइवर को काफी चोटें आई हैं। बताया जा रहा है प्राथमिक उपचार के बाद उर्वशी की हालत सामान्य है, वहीं ड्राइवर को काफी चोट आने से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी से 75 हजार की धोखाधड़ी

बिलासपुर (ए)। स्वास्थ्य विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी को बिजली का बिल जमा नहीं होने की जानकारी देकर जालसाजों ने उनके मोबाइल पर क्वीक सर्विस एप डाउनलोड करा दिया। इसके बाद उनके मोबाइल पर आए ओटीपी को मांगकर खाते से 75 हजार रुपये निकाल लिए गए। इसकी जानकारी होने रिटायर्ड कर्मचारी ने एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट में इसकी शिकायत की। उनकी शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने धोखाधड़ी का जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन क्षेत्र के व्यापार विहार रोड प्रियदर्शनी नगर में रहने वाले अरविंद शुक्ला स्वास्थ्य विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 30 मई की शाम वे अपने घर में थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर बिजली बिल जमा नहीं होने पर कनेक्शन काट देने का मैसेज आया। मैसेज देखते ही उन्होंने इसमें दिए नंबर पर संपर्क कर पूछताछ की। इसमें उन्हें बताया कि आनलाइन बिजली बिल का समायोजन नहीं हो पाया है। इसके कारण उन्हें मोर बिजली एप से बिल जमा करने के लिए कहा गया। साथ ही उन्हें मोबाइल पर क्वीक सर्विस एप डाउनलोड करने कहा गया। जालसाजों के कहे अनुसार उन्होंने अपने मोबाइल पर एप डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उन्होंने अपने बिजली का बिल जमा करने की कोशिश की। इसमें सफल नहीं होने पर उन्हें गुगल पे से बिल जमा करने के लिए कहा गया। इस बीच जालसाजों ने उनके मोबाइल पर आए ओटीपी को मांग लिया गया। ओटीपी मिलते ही जालसाजों ने उनके मोबाइल को हैक कर बैंक खाते से 75 हजार 460 रुपये निकाल लिए। रुपये निकलने की जानकारी होने पर रिटायर्ड कर्मचारी ने एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट में इसकी शिकायत की। एसीसीयू में प्राथमिक जांच के बाद उन्हें सिविल लाइन थाने में मामले की शिकायत करने कहा। शिकायत पर पुलिस धोखाधड़ी का जुर्म दर्ज कर जांच कर रही है।

रायपुर में गैंगवार: प्राइवेट पार्ट पर चाकू से किया हमला, पुराने बदमाश की मौत घर में सो रहे दुकानदार का कुचला सिर

रायपुर (ए)। रायपुर के अभनपुर इलाके में हत्याओं की दो वारदात सामने आई है। एक मामले में गैंगवार हुआ है। इसमें अभनपुर इलाके के पुराने बदमाश की कुछ दूसरे बदमाशों ने जान ले ली है। दूसरी घटना में एक दुकानदार का सिर फोड़कर हत्या कर दी गई है। इन दोनों वारदातों ने अभनपुर पुलिस की टेंशन बढ़ा दी है अब इस मामले में फरार बदमाशों की तलाश की जा रही है।

पहला मामला अभनपुर के गातापारा गांव का है। पुलिस के मुताबिक यहां रहने वाला हरीश यादव इलाके का निगरानीशुदा बदमाश था। मारपीट और चाकूबाजी की कई घटनाओं में शामिल रहा है। हरीश गातापारा के बड़े तालाब के पास गया हुआ था। तभी इस इलाके के दूसरे बदमाशों ने उसे घेर लिया। इनमें राजू बंजारे का गैंग शामिल था। राजू के साथ फोलू कुर्रे, आकाश तांडी और प्रकाश सोनी शामिल थे। पुलिस के मुताबिक यह सभी अभनपुर के बदमाश हैं। हरीश यादव और राजू बंजारे के ग्रुप में अक्सर मारपीट की घटना हुआ करती थी। मौका पाकर राजू ने हरीश को पकड़ा और उसकी खूब पिटाई की। राजू ने हरीश पर चाकू से हमला किया। हरीश के प्राइवेट पार्ट, हाथ, पीठ, कमर, सीना, पेट और चेहरे पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए गए। तालाब के पास गिरकर हरीश की मौत हो गई। हरीश पर हमला होता देख उसका दोस्त अर्जुन पटले मदद के लिए आया। राजू और उसके साथियों ने अर्जुन को भी चाकू मार दिया।

झगड़े का बदला लेने के लिए हमला

लहूलुहान हालत में भागता हुआ अर्जुन, हरीश के घर गया और उसके भाई लक्ष्मण को सारी बात बताई। कुछ देर बाद जब लक्ष्मण और अर्जुन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हरीश की मौत हो चुकी थी। आरोपी राजू बंजारे और उसके साथ ही अभनपुर के इलाके में ही रहते हैं। पुलिस ने राजू और आकाश को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि फोलू कुर्रे, प्रकाश सोनी फरार हैं। राजू ने पुलिस को बताया कि पिछले झगड़े का बदला लेने की नीयत से उसने हरीश पर हमला किया ।

घर में सो रहे दुकानदार की हत्या

दूसरी वारदात अभनपुर के ऊपरवारा के वार्ड क्रमांक 9 की है। यहां रात में अपने घर में सो रहे दुकानदार रामचंद्र तारक को किसी ने भारी-भरकम चीज से सिर पर चोट पहुंचाकर मौत के घाट उतार दिया। सुबह घरवाले जब रामचंद्र तारक के कमरे के पास आए तो वह बिस्तर के पास गिरा हुआ मिला।

सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो और वीडियो अपलोड करने वाले गिरफ्तार

भिलाई। एनसीआरबी की रिपोर्ट पर दुर्ग कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी आशीष सोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नाबालिग लड़के लड़कियों की अश्लील फोटो शेयर की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा में केस दर्ज किया और उसे जेल भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने करीब 1 साल पहले अपने सोशल मीडिया पर अश्लील पोस्ट शेयर की थी। सोशल मीडिया मॉनीटरिंग के दौरान दिल्ली स्थित एनसीआरबी के संज्ञान में उक्त मामला आया। इसके बाद एनसीआरबी ने जांच की और रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय के भेज दी। मुख्यालय कि रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने बैगापारा निवासी आरोपी को गिरफ्तार किया।

निविदा विज्ञप्ति

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बेमेतरा, जिला बेमेतरा में निष्प्रयोजन योग्य सामाग्री का विक्रय किये जाने हेतु दिनांक 02/06/2022 से 22/06/2022 तक कार्यालयीन समय में मोहर बंद निविदा (सिमित निविदा) आमंत्रित की जाती है। मोहर बंद निविदा स्पीड पोस्ट के माध्यम से या स्वयं उपस्थित होकर दिनांक 22/06/2022 तक दोपहर 12 बजे तक मंगाये गए हैं। निविदा निष्प्रयोजन समिति एवं निविदाकर्ताओं के समक्ष दिनांक 22/06/2022 को शाम 4 बजे खोली जावेगी। निष्प्रयोजन / निविदा से संबंधित अन्य नियम व शर्तो की जानकारी हेतु संस्था के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

(हरि सिंह राणा)
प्रशिक्षण अधीक्षक
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, बेमेतरा
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

जी-91860/3

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2022/112/121 भिलाई, दिनांक 03/06/2022

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगाः–

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	आस्था डेवलपर्स एण्ड कालोनाईजर्स पार्टनर 1. श्री दिनेश सवाई आ. श्री नरेन्द्र कुमार सवाई, निवासी–सेक्टर–4, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग (छ.ग.), 2. श्री मनीष राव सोलंके आ. श्री नारायण राव सोलंके, निवासी– वैशाली नगर भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	1. श्री धर्मेन्द्र कुमार बालपांडे आ. श्री आनंद राव बालपांडे, 2. श्रीमती कल्पना बालपांडे ध.प. श्री धर्मेन्द्र कुमार बालपांडे, निवासी–प्लैट नं. –29/एच, सड़क–36, सेक्टर–4 भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कुरुद, संस्कार विहार(वार्ड नं.–14) अन्दर भाग(कुरुद रोड नाला से कुरुद बस्ती तक अंदर भाग), खसरा नं. 1157 का दुकड़ा, प्लाट नं. 08, आवासीय भवन निर्मित।
2	चौहान हाउसिंग प्राईवेट लिमिटेड के तरफ से श्री अजय चौहान, आ.–स्व. श्री विपत उर्फ दीपेश्वर चौहान, निवासी–राजीव नगर, सुपेला, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	(1) डॉ. राजेश कुमार सिन्हा, आ. श्री दुधेश्वर प्रसाद, (2) डॉ. संगीता सिन्हा, ध.प. डॉ. राजेश कुमार सिन्हा, निवासी–फ्लैट नं. बी–37, चौहान टाउन, जुनवानी रोड, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, "चौहान्स पार्क व्यू" (वार्ड क्र.–01, जुनवानी से चिखली जाने वाली मुख्य मार्ग से अंदर भाग), भिलाई, शॉप नं. 312, फस्ट फ्लोर, क्षेत्रफल–319 वर्गफीट, व्यवसायिक भवन निर्मित।
3	श्री दाऊराम देवांगन, आ. स्व. गजाधर प्रसाद, निवासी–वार्ड 13 मकान नं. 483 मंत्री निकेतन के पीछे रामनगर सुपेला भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री प्रेमप्रकाश देवांगन, आ. श्री दाऊराम देवांगन, निवासी–वार्ड 13 मकान नं. 483 मंत्री निकेतन के पीछे रामनगर सुपेला भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	उपहार विलेख	कोहका वार्ड क्र. 13(रामनगर आवासीय क्षेत्र अन्दर भाग), भिलाई, खसरा क्र. 8750, रकबा–2520 वर्गफीट एवं खसरा नं. 8795, रकबा–647 वर्गफीट, कुल रकबा–3167 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
4	एम. थामस फिलिप पिता एम.के. फिलिप, निवासी–ए–172, सड़क 30, स्मृतिनगर, नेहरूनगर भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री अनुराग चौरसिया, आ. श्री तारकेश्वर प्रसाद चौरसिया, निवासी–म.नं. 2, क्वा. नं. 30, विद्यापती नगर महावीर रोड के सामने, पो. बारीडीह, जमशेदपुर जिला–पूर्वी सिंहभूम(झारखण्ड)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड क्र. 07, फरीदनगर कोहका वार्ड अंतर्गत सूर्या रेसीडेंसी अंदर भाग, भिलाई, फ्लैट नं. PLATINUM 103, BLOCK No.-A, 1st floor, 1651 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
5	मेसर्स बिल्टेक इंजीनियर प्रा. लिमि., डायरेक्टर श्री मनीष गुप्ता आ. श्री कुलदीप कुमार गुप्ता, रजिस्टर्ड आफिस– चतुर्थ तल, सूर्या ट्रेजर आईलैण्ड मॉल, जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री अनुराग चौरसिया, आ. श्री तारकेश्वर प्रसाद चौरसिया, निवासी–म.नं. 2, क्वा. नं. 30, विद्यापती नगर महावीर रोड के सामने, पो. बारीडीह, जमशेदपुर जिला–पूर्वी सिंहभूम(झारखण्ड)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड नं.–8, सूर्या रेसीडेंसी अपार्टमेंट, भिलाई, फ्लैट नं.–गोल्ड–606, ब्लॉक–ए, छठवा तल, 984.64 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
6	मेसर्स बिल्टेक इंजीनियर्स प्राईवेट लिमिटेड डायरेक्टर–श्री मनीष कुमार गुप्ता आ. श्री कुलदीप गुप्ता, निवासी–54, मोतीलाल नेहरूनगर, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.) से 1. श्री प्रवीण कुमार साहू, पिता–श्री आर.के. साहू, 2. श्रीमती ममता साहू, पति–श्री प्रवीण कुमार साहू, दोनो निवासी–एच.आई.जी.–27, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, हटकेश्वर धमतरी, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती शांति देवी चौरसिया, पति–श्री ओ.एन. चौरसिया, निवासी–फ्लैट नं.–गोल्ड 104, ब्लॉक–ए, सूर्या सेसिडेन्सी, कोहका भिलाई, तह. व जिला दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका वार्ड नं.–8, सूर्या रेसीडेंसी नगर अंदर भाग, भिलाई, खसरा नं. 2028/62, प्लाट नं. –ए–22, रकबा–1533 वर्गफीट, अवासीय भवन निर्मित।
7	श्री राजेन्द्र बंशीलाल पुरवार, पिता–स्व. श्री बंशीलाल जी पुरवार, निवासी–म.नं.–बी–104, मारूती सोलिटायर, खम्हारडीह रोड, शंकर नगर रायपुर, तह. व जिला–रायपुर(छ.ग.)	श्री मनीष उपाध्याय, पिता–श्री जी.एल. उपाध्याय, निवासी–राम मंदिर गली, बैकुण्ठपुर रायगढ़, तह. व जिला रायगढ़(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड नं.–7, सूर्या रेसीडेंसी नगर अंदर भाग, भिलाई खसरा नं. 2028/38, प्लाट न –ए–01, रकबा–1546 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
8	श्रीमती मालु मलकापुरे ध.प. श्री केशव मलकापुरे, निवासी–माडल टाउन, जुनवानी, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री प्रदीप कुमार केडिया आ. श्री जगदीश प्रसाद केडिया, निवासी–मॉडल टाउन, जुनवानी, भिलाई	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड क्र. 1 माडल टाउन, नेहरूनगर से केंसर हास्पिटल जाने वाली मुख्य मार्ग से लगभग 1 कि.मी. अंदर भाग, भिलाई, खसरा नं. 1087/3, रकबा–2400 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
9	रव. शिवदास आ. शिवसागर, निवासी–सुन्दर नगर कोहका, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग (छ.ग.)	धनश्याम गुप्ता आ. स्व. शिवदास गुप्ता, निवासी–सुन्दर नगर कोहका, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	वसीयतनामा	वार्ड नं.–8, सुन्दर नगर कोहका, भिलाई, खसरा नं. 3259, 3260, रकबा–0.02 हे. 0.02 हे., आवासीय भवन निर्मित।
10	शाहिद अहमद आ. स्व. शब्बीर अहमद, निवासी–एम.आई.जी. 1/81, आमदी नगर, हुडको भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती गंडुपल्ली वनीता ध.प. जी. श्रीनिवास राव, निवासी–3ए, स्ट्रीट नंबर 28, सेक्टर–05, सिविक सेन्टर भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, कोहका पुरानी बस्ती वार्ड क्र. 09(कोहका पुरानी बस्ती अंदर भाग), भिलाई खसरा नं. 56/68, प्लाट नं. एल.आई.जी–12, रकबा– 1387.50 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आठ साल का कार्यकाल बेमिसाल है - प्रेमप्रकाश पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। केन्द्र की मोदी सरकार के शासन के 8 साल के कार्यकाल में सेवा, सुशासन गरीब कल्याण के जितने भी योजनाएं आई है,इन आठ सालों में देश के आम आदमी से लेकर खास आदमी हर स्तर पर अपने आप को उनके योजनाओं का लाभ मिला है और पूरे भारत का स्वाभिमान पूरे दुनिया में विगत आठ सालों में बढा है, वो पहले कभी नही था, देश दुनिया के बडे बडे राष्ट्र नायक आज हमारे प्रधानमंत्री से मिलने के लिए लालायित रहते है।

उक्त बातें प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा एवं राजस्व मंत्री एवं प्रदेश के भाजपा के कद्दावर नेता प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। श्री पाण्डेय ने आगे कहा कि देश वृद्धि हो,चाहे अर्थवृद्धि होआंतरिक सुरक्षा हो चाहे बाह्य सुरक्षा हो, गरीब कल्याण हो, स्वास्थ्य हो, शिक्षा हो हर क्षेत्र में 360 डिग्री में काम करने वाले अथक परिश्रम ईमानदारी से और राष्ट्रभक्ति के साथ काम करने वाले ऐसे प्रधानमंत्री जी का 8 साल का बेमिसाल कार्यकाल रहा है।

आज केन्द्र सरकार के सुशासन में समूचा देश आज लगभग दंगामुक्त हो गया है, साम्प्रदायिक और तुष्टिकरण की राजनीति को विराम लगा है कश्मीर से कन्यामुमारी तक भारत की एकता और अखंडता जितनी आज मज़बूत है, वैसा पहले कभी नहीं रही दुनिया भर में आज पीएम मोदी के सुशासन की पहचान है अनेक वैश्विक संगठनों ने मोदी जी को विश्व के सर्वश्रेष्ठ नेता का ख़िताब दिया है यह हम सबके लिए गर्व की बात है। गरीब कल्याण की बात की जाए तो देश के 80 करोड़ से अधिक नागरिकों तक अनवरत खाद्यान की आपूर्ति कोरोना के वैश्विक संकट के दौरान सुनिश्चित करते रहने से बड़ा गरीब कल्याण और क्या हो सकता है भला पीएम मोदी ने सभी गरीबों के सर के छत की चिंता की, शुद्ध नल जल उपलब्ध कराने से लेकर उन्हें आयुष्मान भारत के तहत मुफ्त चिकित्सा से लेकर तमाम कल्याणकारी योजनाओं से उन्हें जोड़ा पिछले 8 वर्षों में देश की गरीबी 22प्रतिशत से घट कर से 10 प्रतिशत से नीचे आ गई है। कोरोना संकट के बावजूद अत्यंत गरीबी की दर भी 1 प्रतिशत से कम 0.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है।

पहले देश में एक सामान्य सोच थी कि इस देश का कुछ भी नहीं हो सकता। अब आम जनमानस में यह धारणा बनी है कि मोदी है तो मुमकिन है। 8 साल की यह यात्रा देश की सोच को बदलने की यात्रा है। भारत को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करने का मार्ग बनाने की यात्रा है। 8 वर्ष की यह यात्रा आत्मनिर्भर भारत की संकल्प से सिद्धि के रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत देश का रास्ता भी है और संकल्प भी। आत्मनिर्भरता में देश के अनेक मुश्किलों का हल है। श्री पांडेय ने बताया कि पहले योजनायें कागज़ पर ही बनती थी, कागज़ पर ही लागू होती थी और कागज़ पर ही पूरी हो जाती थी। आज जनता यह देख रही है कि जिस योजना का शिलान्यास होता है, वह योजना उसी कार्यकाल में पूरी भी होती है। बीते 8 वर्ष कागज़ से क्रियान्वयन और अमलीकरण की यात्रा के रहे हैं। इन आठ सालों में देश के प्रति व्यक्ति की आय दुगुनी हुई है। 2014 में जो 79 हजार थी अब वह करीब डेढ लाख रूपये हो गया है। विदेशी मुद्राभंडार भी लगभग दुगुना हुआ है। आजादी के 70 साल में जहां 6.37 लाख प्राईमरी स्कूल बने वही इन आठ सालों में 6.53 लाख प्राईमरी स्कूल बने। डॉक्टरों की संख्या में पिछले 8 सालों में 12 लाख से अधिक बढी है। इन आठ सालों में देशभर में 15 एम्स का निर्माण हुआ है। केन्द्र सरकार द्वारा लागू आयुष्मान योजना से देश के 55 करोड़ लोगों का 5 लाख रूपये साल में मुफ्त बीमा का लाभ मिल रहा है। अब तीन करोड लोग इसका लाभ ले चुके हैं। देश के 12 करोड से अधिक किसानों का सलाना 6 हजार रूपये तक आर्थिक सहायता हमारी केन्द्र सरकार दे रही है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रदेश के मुख्यमंत्री को आडे हाथों लेते हुए कहा और पेट्रोल डीजल के रेट की बात करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेट्रोल में करीब दस रूपये कम कर दिये लेकिन छग राज्य सरकार अपना टेक्स कम नही कर रही है। मुख्यमंत्री को भी चाहिए कि वे पेट्रोल डीजल पर राज्य सरकार का टेक्स कम कर राज्य की जनता को राहत दे लेकिन ये क्या कम करेंगे। इसमें 5 रूपये पहले ही बढा चुके थे 2019 में आते ही।

शिविर में हुआ समस्याओं का समाधान

आयुक्त ने शिविर का लिया जायजा सुनी लोगों की समस्याएँ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमान्तर्गत शहर के विभिन्न वार्डों में व्याप्त समस्या के निराकरण के लिए सभी 60 वार्डों के कल्स्टर में जनसमस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है. शुक्रवार को वार्ड 49, 50, 51 एवं वार्ड का शिविर मुख्यमंत्री कार्यालय बोरसी में लगाया गया. शिविर मे निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने वार्ड पार्षद ज्ञानदास बंजारे,प्रेमलता साहू,गायत्री साहू व भास्कर कुंडले के मौजूदगी में लोगों की समस्याएं सुनीं शिविर में कुल 401 आवेदन मिले,जिसमें 384 आवेदन मांग से संबंधित

शिविर में 17 आवेदन शिकायतों से संबंधित थे. प्रधानमंत्री आवास योजना 21 आवदेन रहें,जिसे मौके पर ही संबंधित अधिकारी को निराकरण करने के लिए प्रेषित किया गया. ओर सबसे ज्यादा 306 आवेदन आबादी पट्टे के मिले सक्षम अधिकारी को भेजा गया. बाकी अन्य विभाग से प्राप्त आवेदनों को पेंशन विभाग, लोककर्म विभाग, साफ-सफाई विभाग लायसेंस विभाग को त्वरित निराकरण हेतु भेजा गया।शिविर में उपस्थिति कार्यपालन अभियंता राजेश पाण्डेय, सहायक अभियंता आर.के.जैनसहायक अभियंता शंकरदयाल शर्मा,भवन अधिकारी प्रकाश चंद थावनी, सहायक अभियंता आर.के.पालिया,स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान,राजस्व अधिकारी नारायण यादव,जनसंपर्क अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,उपअभियंता मोहित मरकाम, राजस्व प्रभारी योगेश सूरे।दिनांक 06 जून दिन सोमवार को वार्ड 53 एवं 54 के लिए प्राथमिक शाला पोटिया कला माता तालाब के पास जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया है।

30.98 लाख के डामरीकरण कार्य से आवागमन होगा आसान

सुगम यातायात का जनता को मिले लाभ : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल ने राज्य पिछड़ा वर्ग के उपाध्यक्ष आर. एन. वर्मा एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इससे यहां वार्ड नागरिको के अलावा लोगो के लिए सुगम आवागमन में मदद मिलेगी। साथ ही सड़क डामरीकरण की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

इस क्षेत्र में डामरीकरण के लिए 30.98 लाख से सड़क डामरीकरण के लिए क्षेत्रवासियों ने विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी,भोला महोविया, ऋषभ जैन,सहायक अभियंता शंकर दयाल शर्मा,उपअभियंता श्रीमती भारती

ठाकुर,उपअभियंता करण साहू,भूमिपूजन के दौरान विधायक ने कहा कि क्षेत्र वासियो द्वारा लगातार मांग की जा रही थी।क्षेत्र वासियो के मांगो पर आज पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने वाली गली से होकर ब्राम्हण पारा से होते हुए गवली पारा,शनिचरी बाजार से गंजपारा लड्डू दुकान तक सड़क डामरीकरण कार्य प्रारंभ शीघ्र कर दिया जाएगा। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा जर्जर हो चुकी सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण होने से लोगो को राहत मिलेगी।

खुद का मकान बनाने सपना हुआ पूरा, मोर जमीन मोर मकान से मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आयुक्त के कुरूद क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान आवास योजना का लाभ मिले हुए हितग्राही साहू दंपत्ति से आयुक्त ने चर्चा की, उन्होंने बताया कि मकान का सपना सभी का होता है, पहले शादी करने का कोई भी अवधारणा नहीं था परंतु घर बनने की प्रतीक्षा अवश्य थी जैसे ही घर बन गया वैसे ही विवाह का मन विचार में आया और घर बनते ही 1 माह में विवाह नए घर में संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना के मोर जमीन मोर मकान के तहत लोगों को मकान बनाने का लाभ मिल रहा है। महापौर नीरज पाल के निर्देश पर सब्सिडी मिलने और नि:शुल्क भवन अनुज्ञा के प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज

मिलने से मकान निर्माण में काफी राहत हितग्राहियों को मिल रही है। नगर पालिक निगम भिलाई के कुरूद क्षेत्र में आज निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने मोर जमीन मोर मकान के तहत निर्मित, निर्माणाधीन मकानों का निरीक्षण किया, उन्होंने निर्देश दिए कि जिन आवासों की स्वीकृति मिल चुकी है उन्हें शीघ्र ही प्रारंभ करावे वही निर्माणाधीन एवं निर्मित मकानों की भी उन्होंने जानकारी ली। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रभारी अधिकारी विनीता वर्मा एवं उप अभियंता दीपक मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मोर जमीन मोर मकान के तहत 1376 मकान निर्माणाधीन है और 2841 मकान पूर्ण हो चुके हैं। मोर जमीन मोर मकान के तहत अगर किसी को अपना खुद का पक्का मकान बनाना हो तो जोन क्रमांक 3 मदर टैरेसा नगर जोन कार्यालय के प्रथम तल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं, महापौर नीरज पाल ने अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं। आवेदक की पात्रता की अगर बात करें तो आवेदक का जीवित पट्टा या भूस्वामी संबंधित दस्तावेज होना आवश्यक है। मोर जमीन मोर मकान के तहत आवेदन करने के उपरांत डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट को सुडा को प्रेषित किया जाता है वहां से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत आवेदक को सूचित कर मकान निर्माण प्रारंभ करने हेतु निशुल्क भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र दिया जाता है। अगर सब्सिडी की बात करें तो शासन से 2.28 लाख रुपए अंशदान हितग्राही को मकान निर्माण के लिए मिलता है वही 86 हजार रुपए हितग्राही को स्वयं का अंशदान देना होता है।

निदान 40 : 53 लोगों ने त्रुटिपूर्ण आधार कार्ड को सुधरवाया

नागरिकों की मांग पर आयुक्त ने 20 से भी अधिक पुलिया बनाने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। मरोदा सेक्टर पूर्व और पश्चिम के नागरिकों को बारिश में होने वाली दिक्कतों से छुटकारा मिलेगा। नगर पालिक निगम के आयुक्त आशीष देवांगन ने 25 से अधिक स्थानों में बरसाती पानी के निकासी के लिए पुलिया निर्माण करने निर्देश दिए है। शिविर में जल भराव की शिकायत मिलने पर वे सभापति केशव बंछोर व महापौर परिषद के सद्स्य सनीर साहू के साथ वार्ड भ्रमण के लिए निकले थे।

जनसमस्या निवारण शिविर मरोदा सेक्टर स्थित क्लब में रखा गया था। इस दौरान वार्ड 11 मरोदा

सेक्टर पूर्व और वार्ड 12 मरोदा सेक्टर पश्चिम के नागरिकों ने शिकायत की बीएसपी आवास व सड़क 5 दशक पुराना है। वर्तमान में सड़क पर बनी पुलिया ध्वस्त हो चुकी है। यही वजह है कि बारिश के दिनों में जल भराव की स्थिति रहती है। आयुक्त ने समस्या का निदान करते पुलिया निर्माण कार्य के लिए औपचारिकता पूर्ण कर कार्य आरंभ करने के निर्देश दिए है। शिविर में वार्ड 12 के पार्षद व एमआईसी सद्स्य सनीर साहू ने राशन कार्ड बनवाने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था। कार्ड बनने पर महापौर शशि सिन्हा ने राशन कार्ड सौंपा। शिविर में अन्य हितग्राहियों को भी राशन कार्ड दिया गया। इस अवसर एमआईसी सद्स्य सोनिया देवांगन, परमेश्वर, विलास राव बोरकर, पार्षद जमुना ठाकुर, डॉ. सीमा साहू, अनिल देशमुख आदि उपस्थित थे।

शिविर में सभापति केशव बंछोर ने बीएसपी मार्केट क्षेत्र में पेयजल की समस्या होने का खुलासा किया। जिस पर आयुक्त ने मार्केट क्षेत्र में वाटर एटीएम लगाने प्रस्ताव तैयार करने निर्देश दिए। वाटर एटीएम लगने से न केवल व्यापारियों को बल्कि बीएसपी का पेयजल सिस्टम बाधित होने पर बीएसपी आवास में रहने वाले लोगों को फायदा होगा।

महापौर परिषद की बैठक में लिया गया महत्वपूर्ण फैसला

नंदनी रोड से हटेगी देशी शराब दुकान शहर हित में दर्जनों प्रस्ताव पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे तथा अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक में परिषद ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए नंदनी रोड में संचालित देशी मदिरा दुकान को हटाते हुए अनयंत्र स्थान पर शिफ्ट करने का निर्णय लिया है।

मदिरा दुकान का किराया निर्धारण कर अन्यत्र स्थान पर इसे स्थानांतरित किया जाएगा। अन्य प्रकरणों पर विचार करते हुए वार्ड क्रमांक 51 सेक्टर 4 में बैडमिंटन

कोर्ट निर्माण कार्य पर चर्चा, वाहन शाखा हेतु उच्च कुशल, कुशल एवं अर्ध कुशल वाहन चालक एवं हेल्पर उपलब्ध कराने के कार्य की स्वीकृति, जोन क्रमांक 4 के वार्ड क्रमांक 30, 31, 32, 33 एवं 34 में डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य, सामुदायिक शौचालय के रखरखाव तथा संचालन हेतु स्वच्छता श्रृंगार योजना की स्वीकृति, जे.पी. चौक से सेक्टर 5 चौक तक दोनों और फुटपाथ निर्माण कार्य के स्थल परिवर्तन की स्वीकृति, वार्ड 63 पुराना वार्ड 57 सेक्टर 6 सड़क 38 एवं 39 के दोनों तरफ पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य के स्थल परिवर्तन की स्वीकृति, वार्ड क्रमांक 63 पुराना वार्ड 57 सेक्टर 6 सड़क 40 के दोनों तरफ पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य के स्थल परिवर्तन की स्वीकृति, तुलसी वृंदा देवांगन, राजेंद्र कुमार सोनी एवं लक्ष्मण प्रसाद उपाध्याय के संविदा नियुक्ति की स्वीकृति, नगर पालिक निगम भिलाई में कार्यपालन अभियंता एवं मुख्य स्वच्छता निरीक्षक के अतिरिक्त पद स्वीकृति के संबंध में चर्चा, प्लेसमेंट कंप्यूटर ऑपरेटरों के पद स्वीकृति की आवश्यकता की सहमति तथा द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों द्वारा एलएसजीडी परीक्षा उत्तीर्ण करने के फ्लस्वरूप दो अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ दिए जाने के विषय पर महापौर परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को पारित किया। महापौर परिषद की बैठक में परिषद के सदस्य सीजू एंथोनी, संदीप निरंकारी, लक्ष्मीपति राजू, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, चंद्रशेखर गवई, नेहा साहू, मन्नान गफ्फार खान, मालती ठाकुर, लालचंद वर्मा, मीरा बंजारे एवं रीता सिंह गेरा, अधिकारियों में अधीक्षण अभियंता बी.के. देवांगन, जोन आयुक्त एनआर रत्नेश, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा, वाहन शाखा से विष्णु चंद्राकर, सचिव जीवन वर्मा एवं शरद दुबे सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950